मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 163
शनिवार, 28 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बठिंडा में बस फिसलकर नाले में गिरी, 8 लोगों की मौत, 18 घायल यात्रियों का इलाज जारी

बठिंडा, 27 दिसम्बर। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, बठिंडा शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। गिल को बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने जानकारी दी, जब विधायक ने बठिंडा शहर के शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां वर्तमान में 18 घायल यात्रियों का इलाज किया जा रहा है।

गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 18 का इलाज शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह हादसा बठिंडा के जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ जब एक बस पुल से टकराने के बाद नाले में गिर गई। एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चल रहा है।

निजी बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी, तभी फिसलकर नाले में गिर गई। बचाव कार्यों की निगरानी के लिए शीर्ष नागरिक और पुलिस अधिकारी मौके पर हैं।

जिला अधिकारियों द्वारा अभी तक मृतकों की पहचान की पुष्टि नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गंदे नाले में गिरने से पहले बस एक पुल की रेलिंग से टकराई।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे: हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को आर्थिक सुधारों का वास्तुकार कहते हुए, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही थी, तब वह अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम का निधन एक बड़ी क्षति है। वह एक महान राजनेता, दिग्गज व्यक्ति थे। मुझे लगभग 50 वर्षों तक उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। उन्हें कई चीजों के लिए याद किया जाएगा, वे पीवी नरसिम्हा राव जी के साथ आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे, लेकिन मुकाबला अधिक महत्वपूर्ण हो गया। जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही थी तब वह अर्थव्यवस्था को संभालने में

सक्षम थे। भाजपा नेता ने आगे कहा कि प्रारंभ में, यह भुगतान संतुलन का संकट था। जब उन्होंने उन कठिनाइयों को देखा, तो आर्थिक सुधार किए गए जो बाद में आए विकास का आधार बने। समान रूप से, यदि आप विदेश नीति के मोर्चे पर देखें तो भारत-अमेरिका संबंध झिझक के इतिहास से आगे बढ़ते हैं, जो रणनीतिक साझेदारी के आधार पर बना। परमाणु समझौते का बहुत विरोध हुआ लेकिन यह मनमोहन सिंह का संकल्प और दृढ़ संकल्प था जिसने यह सुनिश्चित किया कि समझौता हो सके। मनमोहन सिंह के निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन का हम सभी को बहुत दुख है। देश में उनकी एक अपनी छवि रही है एक अर्थशास्त्री के रूप में, एक वित्त सचिव के रूप में, एक रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में, मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अपने कर्तव्यों का बहुत अच्छे से निर्वाहन करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि देश की सेवा करते हुए उन्होंने कई अच्छे कार्य किए...ऐसे व्यक्ति का हमारे बीच में न होना निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है।

मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति : अशोक गहलोत

जयपुर, 27 दिसम्बर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताते हुए इसे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। गहलोत के अनुसार प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल को अधिकार आधारित राजनीति की शुरूआत के लिए भी याद रखा जाएगा। सिंह का बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। वे 92 साल के थे।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ साहब सरल, सौम्य एवं ईमानदार व्यक्तित्व के धनी थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा, भारत के आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता एवं दुनिया में भारत को आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने में मनमोहन सिंह जी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में भारत को नई दिशा देने वाला आर्थिक उदारीकरण जैसा बड़ा कदम उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में सिंह के कार्यकाल में राजस्थान को विशेष सहयोग मिला जिससे कारण पचपदरा रिफाइनरी जैसी बड़ी सौगात राज्य को मिली। उन्होंने कहा, आपके कार्यकाल को अधिकार आधारित राजनीति की शुरूआत के लिए भी याद रखा जाएगा। गहलोत ने लिखा, एक सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर अर्थशास्त्री, रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं प्रधानमंत्री पद तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायक है। आपको हमेशा याद किया जाएगा डॉ मनमोहन सिंह जी।

मनमोहन सिंह के निधन पर उत्तर प्रदेश में सात दिनों का राजकीय शोक

लखनऊ, 27 दिसम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उत्तर प्रदेश में भी सात दिनों के लिए राजकीय शोक की घोषणा की गई है। जो कि 26 दिसंबर से प्रारंभ होकर एक जनवरी तक चलेगा। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राज्य सरकार की ओर से किसी मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री के तौर मनमोहन सिंह का यूपी से लगाव भी छिपा हुआ नहीं हैं। पीएम रहते मनमोहन सिंह ने कई बार यूपी की यात्राएं की। डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में सितंबर 2013 में यूपी के मुजफ्फरनगर की यात्रा की। जहां पर भीषण दंगे हुए थे। साल 2008 में वह जुलाई महीने में दो बार यूपी की यात्रा की। तीन

सितंबर 2005 को प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने राजधानी लखनऊ की यात्रा की। इसके अलावा अलग अलग मौको पर उन्होंने नोएडा, पीलीभीत, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद समेत कई राज्य के कई शहरों के विभिन्न आयोजनों में शिरकत की।

बात जब भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की होती है तो उनका यूपी की राजनीति से जुड़ा एक प्रसंग भी याद किया जाता है। बात वर्ष 2008 की है जब तत्कालीन समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम ने मनमोहन सिंह के लिये अचानक अपना रुख बदला था जिससे मनमोहन सरकार बच गई थी। दरअसल, मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भारत अमेरिका न्यूक्लियर डील के सवाल पर डगमगाने लगी थी। तब लोकसभा सांसदों के संख्या के हिसाब से उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी समाजवादी पार्टी ने मनमोहन सिंह के पहले कार्यकाल वाली सरकार को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। साल 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार को वामपंथी दलों का जरूरी समर्थन हासिल था। पर वामपंथी अमेरिका के साथ इस समझौते के सख्त खिलाफ थे। इसके बावजूद मनमोहन सिंह भारत अमेरिका के बीच न्यूक्लियर समझौते पर आगे बढ़ चुके थे और वह पीछे हटने को तैयार नहीं थे। वामपंथी दलों ने इस समझौते के विरोध में समर्थन वापस ले लिया।

मनमोहन सिंह का निधन बड़ी क्षति, उन्हें सेवा और विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर बृहस्पतिवार को दुख जताया और कहा कि सिंह को राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन तथा उनकी विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 92 साल के थे। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी उन चुनिंदा राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में भी समान सहजता से काम किया। सार्वजनिक पदों पर अपनी विभिन्न भूमिकाओं में उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कहा कि सिंह को राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन और उनकी अत्यंत विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा, उनका निधन हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं भारत के सबसे महान सपूतों में से एक को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।

मनमोहन सिंह की विनम्रता और ईमानदारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश के लिए उनका योगदान और समावेशिता के उनके मूल्य तथा उनकी विनम्रता और ईमानदारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेगी। मुफ्ती और उनकी पार्टी के सदस्यों ने यहां पीडीपी मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी स्मृति में एक शोक सभा भी आयोजित की गई। मुफ्ती ने सिंह को आधुनिक भारत के आर्थिक परिवर्तन का निमार्ता बताया और 1990 के दशक की शुरूआत में भारत को नया आकार देने वाले उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण सुधारों के दौरान उनके दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया।

निगम बोध घाट पर आज होगा मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा नेता और सांसद राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में बैठक हुई। यह बैठक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए बुलाई गई थी। वहीं, कांग्रेस ने केंद्र से मांग की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थल दी जाए, जहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारक हैं।

कांग्रेस का साफ तौर पर मानना है कि दिवंगत पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के लिए उनके कद के अनुसार अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए उचित स्थान

दिया जाना चाहिए। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार कल (28 दिसंबर) सुबह 11:45 बजे निगम बोध घाट पर किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति एक सच्चे राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करती है, जिनके जीवन और कार्य ने भारत की नियति को गहराई से आकार दिया है। डॉ. सिंह भारत के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में एक महान व्यक्ति थे, जिनके योगदान ने देश को बदल दिया और उन्हें दुनिया भर में सम्मान मिला। 1990 के दशक की शुरूआत में वित्त मंत्री के रूप में, डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार थे।इसमें आगे कहा गया कि बेजोड़ दूरदर्शिता के साथ, उन्होंने सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसने न केवल देश को भुगतान संतुलन संकट से बचाया बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए दरवाजे भी खोले। विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन की अपनी नीतियों के माध्यम से, उन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि की नींव रखी।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

-ललित गर्ग

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री-पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरूआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, ह्यभारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।ह्न डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया।

डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

आर्थिक मोर्चे पर सफलता की कुंजी थे मनमोहन सिंह, मोदी सरकार के लिए भी 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का रास्ता भी खोला

अशोक भाटिया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। उनकी मृत्यु की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्षीय डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक करियर में देश को कई ऐतिहासिक सुधार और योजनाए दीं, जिनका प्रभाव आज भी देखा जा सकता है।डॉ. मनमोहन सिंह को उनकी आर्थिक सुधारवादी सोच और कल्याणकारी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनके नेतृत्व में देश ने कई ऐसे कानून और नीतियां अपनाईं, जिन्होंने लाखों नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया।

मनमोहन सिंह को 1991 में भारत की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए जाना जाता है साथ ही मनमोहन सिंह का नाम शीर्ष अर्थशास्त्रियों की फेहरिस्त में सम्मान से लिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर वह नहीं तो 1991-92 में भारत आर्थिक रूप से अपंग हो गया होता। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव मिलकर भारत की आर्थिक दिशा ही बदल दी।आज दुनिया भर के देशों की भारतीय बाजार पर नजरें हैं। हर विकसित देश को भारत का 'खुला बाजार' निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। बाजार को खुला छोड़ने के लिए पहला कदम आज से ठीक 33 साल से पहले उठाया गया था। दरअसल, बतौर वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने आज ही के दिन यानी 24 जुलाई 1991 में अपना पहला बजट संसद में पेश किया था। भारत के इतिहास में मनमोहन सिंह के पहले बजट को अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर बजट माना जाता है। मनमोहन सिंह ने इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी में बदलाव कर भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोल दिया था। एक तरह से 1991 में पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने देश से लाइसेंस राज को खत्म करने का ऐलान कर दिया था। जबकि यह सरकार कुछ महीने पहले ही बनी थी। 21 जून 1991 को पीवी नरसिम्हा राव देश के नए प्रधानमंत्री बने थे।दरअसल, मनमोहन सिंह के पहले बजट ने देश का आर्थिक माहौल बदलना शुरू कर दिया। क्योंकि बजट में मनमोहन सिंह ने अर्थव्यवस्था के लिए उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की राह पर चलने का ऐलान कर दिया था। पिछले 33 वर्षों में भारतीय इकोनॉमी को इसी राह पर मजबूत कामयाबी मिली है, और अब 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की बात होने लगी है। आज भारतीय खजाना विदेशी मुद्रा भंडार से भरा हुआ है। तीन जुलाई, 2021 तक विदेशी मुद्रा भंडार 611 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन 30 से पहले 1991 में जब मनमोहन सिंह वित्तमंत्री बने थे, तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार केवल 5.80 अरब डॉलर का था। जिससे सिर्फ दो हफ्तों तक ही आयात किया जा सकता था। अर्थव्यवस्था के लिए यह सबसे कठिन दौर था। साल 1991 में भारत का भुगतान संतुलन इतना बिगड़ा कि देश को सोना गिरवी रखना पड़ गया था। लेकिन इस संकट से उबरने के लिए बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए गए थे। इस कदम से केंद्र सरकार को चंद महीनों में ही इकोनॉमी के मोर्च पर पहली सफलता मिली, जब दिसंबर-1991 में सरकार विदेशों में गिरवी रखा सोना छुड़वाने में कामयाब रही।

साल 1991 में जब आर्थिक चुनौतियां थीं, तब देश को सोने ने साथ दिया था। वैसे पिछले 33 वर्षों में सोने ने अपनी चमक खूब बिखेरी है। 1991 में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 3466 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 33 साल के बाद आज सोना लगभग 78 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।साल 1991 में देश में प्रति व्यक्ति आय 538 रुपये महीने थी, जो 2024 में बढ़कर 14000 रुपये महीने हो गया है। पिछले 33 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में करीब साढ़े 27 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। प्रति व्यक्ति आय किसी देश, राज्य, नगर या अन्य क्षेत्र में रहने वाले व्यक्तियों की औसत आय होती है। उदारीकरण की पहल को शेयर बाजार ने भी सलाम किया है। उदारीकरण से पहले 25 जुलाई 1990 को सेंसेक्स महज 1000 अंक का था, जिसे साल 1991 में मनमोहन सिंह की वित्त-नीति से पंख लग गए। दिसंबर-1991 में सेंसेक्स 1908 अंक तक पहुंच गया। इस तरह से साल 1991 में सेंसेक्स कुल 881 अंक बढ़ा था। आज मोदी सरकार के राज में सेंसेक्स 79000 के आसपास है।

पिछले 30 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मार्च 1991 में कुल बैंकों की संख्या 272 थी, जो 2021 में घटकर 100 के आसपास हो गई। इसमें ग्रामीण बैंकों की संख्या 196 से घटकर 43 हो गई। वर्तमान में तमाम बैंकों के विलय के बाद सरकारी क्षेत्र के केवल 12 बैंक रह गए हैं। मोदी सरकार सरकार इसमें भी कम करने की बात कर रही है।

स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर, भारतीय रिजर्व बैंक (फइक) के गवर्नर, देश के वित्त मंत्री से लेकर 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहने तक देश की अर्थव्यवस्था और तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साल 2004 से 2014 के बीच उनकी सरकार ने 5 ऐसे बड़े फैसले किए थे, जिसने देश के लोगों की तकदीर बदली, साथ ही देश की इकोनॉमी में भी तेजी लाने का काम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ काम ऐसे किये जिसे जनता आज भी याद रखती है। अगर मनमोहन सिंह की सरकार के सबसे बड़े इकोनॉमिक रिफॉर्म के बारे में पूछा जाए, तो वह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) कानून का पास कराया जाना था। इस एक कानून ने देश में पलायन की समस्या पर रोक लगाने में अहम भूमिका अदा की। इतना ही नहीं, इस कानून की वजह से गांव, गरीब और अकुशल लोगों के लिए 100 दिन का गारंटीड रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ।इस कानून ने 2008 की मंदी में देश के अंदर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बचाए रखने का काम किया।मनमोहन सिंह की सरकार में सूचना का अधिकार पारित किया गया। इस एक कानून ने इकोनॉमी में ट्रांसपरेंसी लाने का बड़ा काम किया। इससे सरकार की जवाबदेही और उसके पारदर्शिता सुनिश्चित हुई, जो ओवरऑल इकोनॉमी के लिए एक अच्छा कदम साबित हुआ।

मनमोहन सिंह की सरकार में एक और बड़ा काम ह्यभोजन के अधिकार का हुआ। इसके तहत देश के गरीब लोगों को रियायती दर पर भोजन देने का प्रावधान किया गया। इसका फायदा ये हुआ कि देश की एक बड़ी आबादी भूख की चिंता करके देश की इकोनॉमी में अपना योगदान दे सकी। आज देश में जो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है, वह इसी कानून की बदौलत है। इस कानून ने कोविड के दौरान देश के गरीब लोगों की बहुत मदद की। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश की अंतरिक्ष (स्पेस) इकोनॉमी को पावर बूस्ट मिला था। उसी दौर में देश की स्पेस एजेंसी इसरो ने अपने स्पेस क्राफ्ट चंद्रमा और मंगल पर भेजे। इस एक कदम ने भारत को ये ताकत दी कि वह पारग्रही स्पेस मिशन भेजने में भी सक्षम है। मनमोहन सिंह की सरकार के समय में ही भारत के अंतरिक्ष मानव मिशन की रूपरेखा को अमलीजामा पहनाया गया।

मनमोहन सिंह की सरकार ने देश की इकोनॉमी, युवाओं और भविष्य की जरूरत को समझते हुए स्किल डेवलपमेंट पर काम किया। उन्हीं के कार्यकाल में स्किल डेवलपमेंट मिशन की नींव पड़ी, जो आज के समय में कौशल विकास मंत्रालय का रूप ले चुकी है। इकोनॉमी की ग्रोथ की लिहाज से उनकी सरकार का ये कदम काफी अहम था, क्योंकि ये देश की बढ़ती इकोनॉमी के लिए स्किल्ड वर्क फोर्स को तैयार करने का कदम था।

आज मोदी सरकार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा किये कामों से बहुत सहायता मिली है । आज भारत की विदेश नीति को पूरी दुनिया में सराहा जाता है, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी जिस सफल विदेश नीति का संचालन कर रहे हैं, उसका आधार देश के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह ने ही तैयार किया था। देश की विदेश नीति के लिए कुछ घटनाएं परिवर्तनकारी रहीं, जिनमें साल 1991 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देश में आर्थिक उदारीकरण की घटना है, जिसने देश की विदेश नीति को नया आकार दिया। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में पोखरण में परमाणु परीक्षण ऐसी घटना थी, जिसने देश की विदेश नीति के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव किया। मनमोहन सिंह की विशेषज्ञता के क्षेत्र वित्त और अर्थशास्त्र रहे, लेकिन विदेश नीति में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा, जिस पर कम बात होती है।साल 2004 में जब डॉ. मनमोहन सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी के बाद प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली तो विदेश नीति पर उनका विशेष फोकस रहा। पोखरण परमाणु परीक्षणों के बाद से भारत की विदेश नीति जिस दिशा में आगे बढ़ी थी, मनमोहन सिंह ने भी उसे उसी दिशा में जारी रखा और भारत को एक जिम्मेदार परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया। यही वजह रही कि भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता हुआ। साथ ही मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) से क्लीन-चिट मिली। भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता भारत की ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे न सिर्फ भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली, बल्कि इसके जरिए भारत और अमेरिका के बीच सहयोग का रास्ता भी खुला, जो आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा के प्रयत्न से ऊंचाइयों पर जा चुका है।

फुटपाथों और सड़कों पर अतिक्रमण, चलना हुआ मुश्किल।

-प्रियंका सौरभ

मुख्य बाजारों, चौक-चौराहों, गलियों में दुकानदारों और रेहड़ी-फड़ी वालों की ओर से किया गया अतिक्रमण दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। परिणामस्वरूप शहर के बाजारों में वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्ट्रीट वेंडर्स, जो अपने जीवनयापन के लिए अपने व्यापार पर निर्भर हैं, ने हर एक व्यस्त बाजार के पास निर्दिष्ट नो-वेंडिंग जोन पर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और स्थानीय दुकानदारों की ओर से शिकायतें आ रही हैं। सार्वजनिक व्यवस्था, निष्पक्ष व्यावसायिक प्रथाओं और विक्रेताओं की आर्थिक कमजोरी के बीच संतुलन बनाना एक नैतिक और प्रशासनिक चुनौती है। स्ट्रीट वेंडर दुनिया भर की शहरी अर्थव्यवस्थाओं का एक अभिन्न अंग हैं, जो सार्वजनिक स्थानों पर कई तरह की वस्तुओं और सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करते हैं। भले ही स्ट्रीट वेंडर्स को अनौपचारिक माना जाता है, लेकिन वे शहरी अर्थव्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्ता हैं। इस 21वीं सदी में ज्यादातर लोग स्ट्रीट वेंडर हैं। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था निगरानी अध्ययन ने उन तरीकों का खुलासा किया है, जिनसे स्ट्रीट वेंडर अपने समुदायों को मजबूत बना रहे हैं: स्ट्रीट वेंडिंग रोजगार सृजन, उत्पादन और आय सर्जन में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यस्थल पर जनता, पुलिस कर्मियों, राजनेताओं और स्थानीय उपद्रवियों से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति जीवनयापन के लिए वेंडिंग पर निर्भर हैं। विक्रेताओं द्वारा की गई प्रतिस्पर्धा और भीड़भाड़ के कारण नुकसान का दावा करना उनकी मजबूरी है। व्यस्त बाजार में यातायात का सुचारू प्रवाह और सार्वजनिक सुरक्षा की आवश्यकता भी जरूरी है। विक्रेताओं के लिए मानवीय और टिकाऊ समाधान की वकालत सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और न्यायसंगत शासन सुनिश्चित करने का कार्य है। स्ट्रीट वेंडर अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वेंडिंग पर निर्भर हैं। हालाँकि, उनकी उपस्थिति से भीड़भाड़ होती है और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती है। ट्रैफि क प्रवाह और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखते हुए उनकी आजीविका की रक्षा के लिए एक संतुलन की आवश्यकता है। दुकानदार विक्रेताओं को उनकी कम लागत और अनौपचारिक संचालन के कारण अनुचित प्रतिस्पर्धा के रूप में देखते हैं। हालाँकि, विक्रेता अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से सम्बंधित होते हैं। समाधान में समानता की रक्षा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुकानदारों के हितों को अनुचित रूप से नुकसान न पहुँचाया जाए। जबकि आर्थिक विकास एक संपन्न शहर के लिए महत्त्वपूर्ण है, सामाजिक कल्याण समुदायों के कल्याण दोनों को एकीकृत किया जाना चाहिए। कई विक्रेता अपने परिवारों के लिए कमाने वाले होते हैं, जो बुजुर्ग आश्रितों और स्कूल जाने वाले बच्चों का भरण-पोषण करते हैं। बिना किसी विकल्प के उन्हें विस्थापित करने से उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ खराब हो सकती हैं, जिससे निर्णय लेने में करुणा आवश्यक हो जाती है। निर्णय पारदर्शी और समावेशी होने चाहिए, जिसमें सभी हितधारकों की चिंताओं का समाधान हो। किसी भी समूह को बाहर रखने से अशांति फैल सकती है और प्रशासन की निष्पक्ष रूप से शासन नीतियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्ट्रीट वेंडर जैसे कमजोर समूहों को असंगत कठिनाई का सामना न करना पड़े। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण नीतियों में आर्थिक विकास और हाशिए पर पड़े करने की क्षमता पर भरोसा कम हो सकता है।

शहरों की आबादी समय के साथ लगातार बढ़ती जा रही है। इसके चलते वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है और रोजगार के लिए लोगों का बाहर आने का सिलसिला भी बढ़ता जा रहा है लेकिन शहरों में इन समस्याओं का निदान करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर जो पहल होनी चाहिए थी, वह नहीं हो पाई है। अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान के बाद शहरों में पार्किंग और रेडी-फड़ी जोन बनाए जाने की बात सामने आती है, लेकिन वह आज तक जमीन पर दिखाई नहीं देती है। लिहाजा ऐसी समस्याओं का बना रहना स्वाभाविक है।इसके स्थायी समाधान के लिए नो-वेंडिंग जोन में समय-आधारित वेंडिंग शेड्यूल लागू करें ताकि ट्रैफि क प्रवाह को बनाए रखते हुए गैर-पीक घंटों के दौरान विक्रेताओं को अनुमति दी जा सके। सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए पीक घंटों के दौरान निगरानी बढ़ाएँ। स्वच्छता और पीने के पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ एक निर्दिष्ट वेंडिंग जोन विकसित करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि विक्रेताओं के पास काम करने के लिए एक स्थायी स्थान हो। विक्रेताओं की संख्या को विनियमित करने और भीड़भाड़ को रोकने के लिए एक लाइसेंसिंग प्रणाली शुरू करें। यह दृष्टिकोण विक्रेताओं और दुकानदारों की तत्काल जरूरतों को सम्बोधित करता है और साथ ही भविष्य के लिए एक स्थायी ढाँचा तैयार करता है। यह सार्वजनिक व्यवस्था, आर्थिक निष्पक्षता और दयालु शासन को संतुलित करता है, यह सुनिश्चित करता है कि सभी हितधारकों को सुना और समर्थन दिया जाए। स्ट्रीट वेंडर्स, दुकानदारों और जनता की जरूरतों को सम्बोधित करने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो आर्थिक और सामाजिक कल्याण दोनों पर ध्यान केंद्रित करता है। पीएम स्वनिधि योजना जैसे सरकारी कार्यक्रम वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं, जबकि स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2014 उनके अधिकारों की रक्षा करता है। भविष्य में, कौशल विकास की पेशकश, अधिक वेंडिंग जोन बनाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने से विक्रेताओं को शहर की अर्थव्यवस्था में फलने-फूलने और एकीकृत होने में मदद मिलेगी।

आजकल हम देखते हैं कि बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स ने व्यस्त बाजार के पास नो-वेंडिंग जोन में स्टॉल लगा रखे हैं। इनके लिए नो-वेंडिंग जोन की स्थापना सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जा सकती है। हालाँकि, इनमें से कई विक्रेता अपने परिवार, जिसमें बुजुर्ग माता-पिता और स्कूल जाने वाले बच्चे शामिल हैं, को पालने के लिए पूरी तरह से अपनी कमाई पर निर्भर हैं। हालांकि इनके लिए स्थानीय दुकानदारों के संघ शिकायतें भी दर्ज करवाते हैं कि विक्रेता भीड़भाड़ पैदा कर रहे हैं और उनके व्यवसाय को अनुचित रूप से प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन विक्रेताओं की आर्थिक कमजोरी को समझते हुए इसके लिए मानवीय समाधान जरूरी है। ऐसे मामले एक मध्यम आकार के शहर में शहरी शासन और सामाजिक समानता के बीच संघर्ष को उजागर करता है। शहरों के फुटपाथों और सड़कों पर होने वाले अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रयास तो कई बार होते हैं लेकिन इन प्रयासों में कभी भी गंभीरता नहीं रही है। इसका नतीजा यह रहा कि कुछ दिनों तक चलने के बाद यह अभियान ठप हो जाते हैं और स्थिति जस की तस हो जाती है। इससे लोग परेशान रहते हैं

'हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी...न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।'

26 दिसंबर 2024 को आर्थिक सुधारों के पुरोधा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री(14 वें) डॉ.मनमोहन सिंह का हमारे बीच से 92 वर्ष की उम्र में अवसान हो गया। सभी जानते हैं कि डॉ सिंह एक प्रख्यात अर्थशास्त्री थे जिन्होंने अपने नीतियों और नेतृत्व से भारत को आर्थिक और वैश्विक ऊंचाइयों पर पहुंचाया। सच तो यह है कि उनके आर्थिक सुधारों को पूरी दुनिया ने लोहा माना है।सच तो यह है वे देश में उदारीकरण लेकर आए।कहना गलत नहीं होगा कि वे सादगी, विनम्रता और विद्वता की मूरत थे। अविभाजित भारत के पंजाब में 26 सितंबर 1932 को जन्मे डॉ सिंह ने कैम्ब्रिज और आक्सफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटीज से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। श्री गुरमुख सिंह और श्रीमती अमृत कौर के घर जन्मे सिंह ने 1948 में पंजाब में अपनी मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। कैंब्रिज से उन्होंने 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की

डिग्री हासिल की। इसके बाद 1962 में उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नाफील्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में ह्यडी.फिलह्न की उपाधि प्राप्त की।उन्होंने योजना आयोग उपाध्यक्ष (अब नीति आयोग), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गर्वनर, और आर्थिक सलाहकार जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया और भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल दी थी। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के तहत 2006-2007 में भारत ने 10.08% की वृद्धि दर दर्ज की थी। यह 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत में दर्ज की गई सबसे अधिक जीडीपी थी। उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर 2006-2007 में 10.08% थी। यहां यह उल्लेखनीय है कि मनमोहन सिंह ने जुलाई, 1991 के बजट में अपने प्रसिद्ध भाषण में कहा था, ह्यपृथ्वी पर कोई भी ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती जिसका समय आ गया है। मैं इस प्रतिष्ठित सदन को सुझाव देता हूं कि भारत का दुनिया में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय होना चाहिए, यह एक ऐसा ही एक विचार है।' वे वित्त मंत्रालय में सचिव, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1991 से 1996 तक वे भारत के वित्त मंत्री रहे और इस दौरान उन्होंने अनेक आर्थिक सुधार किए। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1987 और 1990 के बीच जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव के रूप में उनकी नियुक्ति हुई तथा 1971 में, डॉ. सिंह वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार में आर्थिक सलाहकार तथा वर्ष 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति हुई। यदि हम यहां उनके राजनीतिक करियर की बात करें तो डॉ.मनमोहन सिंह 1991 से भारत के संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) के सदस्य रहे, जहां वे 1998 से 2004 के बीच विपक्ष के नेता थे। उल्लेखनीय है कि वे पहली बार 1991 में राज्य सभा के लिए चुने गए थे और उन्होंने उच्च सदन में पांच बार असम और 2019 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।पाठक जानते हैं कि वे वर्ष 2004 से लेकर वर्ष 2014 तक यूपीए सरकार में प्रधानमंत्री रहे। यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने 22 मई 2004 को प्रथम बार और 22 मई 2009 को दूसरी बार पीएम पद की शपथ ली थी। उल्लेखनीय है कि वह जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी के बाद चौथे सबसे लंबे समय तक पीएम पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री थे।वे भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री भी थे। अपने दस साल के प्रधानमंत्री काल में उन्होंने देश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई), सूचना का अधिकार (आरटीआई, वर्ष 2005), विश्व की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा योजना(वर्ष 2005) समेत तमाम कई बड़े फैसले लिए, जो अपने आप में एक मिसाल है। उल्लेखनीय है कि 'आधार योजना' भी उनके ही कार्यकाल में शुरू की गई थी। कहना गलत नहीं होगा कि आधार योजना से भारतीयों को नव पहचान मिली और इससे आमजन की विभिन्न सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान और सरल हो गई। साथ ही कई पहचान पत्रों की जगह इस एक पहचान पत्र आधार कार्ड ने लोगों का जीवन आसान किया। इतना ही नहीं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) यानी कि लोगों के खाते में सीधे पैसे ट्रांसफर करने की प्रणाली भी उनके ही कार्यकाल की देन है जिससे भ्रष्टाचार पर काफी हद तक लगाम लगी और लोगों तक सरकारी सहायता सीधे पहुंचने लगी। कहना गलत नहीं होगा कि भारत-अमेरिका परमाणु समझौता भी डॉ. सिंह के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। यहां यह भी गौरतलब है कि वर्ष 2008 की आर्थिक मंदी के झटकों से भी उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकते हुए उसे उबारा था। पाठकों को बताता चलूं कि उन्होंने 'भारत के निर्यात रुझान और स्व-संचालित विकास की संभावनाएं' शीर्षक से किताब भी लिखी थी, जिसमें उन्होंने भारत की अंतमुर्खी व्यापार नीति की आलोचना की थी। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में फैकल्टी के रूप में तथा यूएनसीटीएडी (अंकटाड) यानी कि (व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) में 1966-1969 तक सचिवालय में भी काम किया। 1969 से 1971 तक, सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर भी रहे। पुरस्कारों और सम्मानों की यदि बात करें तो उन्हें 1987 में भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण, वर्ष 1995 में उन्हें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार, वर्ष 1993 और 1994 वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार, वर्ष 1993 वर्ष के वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार और कैम्ब्रिज में सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार (1955) प्रदान किये गए थे। इतना ही नहीं उन्हें कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों सहित कई विश्वविद्यालयों से मानद उपाधियां प्राप्त हुई थीं। उन्होंने अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगठनों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। गौरतलब है कि साइप्रस में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (वर्ष 1993) और वर्ष 1993 में वियना में मानवाधिकारों पर विश्व सम्मेलन में उन्होंने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी किया। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि मनमोहन सिंह की छवि बेशक बहुत ही कम बोलने वाले और अधिकतर शांत रहने वाले व्यक्तियों में की जाती रही है, लेकिन जब भी वे बोलते थे, वो सुर्खियां बन जाती थीं। मसलन,27 अगस्त 2012 को संसद में उन्होंने यह कहा था कि 'हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी है...न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।' इतना ही नहीं, 23 मार्च 2011 को नेता विपक्ष श्रीमती सुषमा स्वराज के एक तंज पर जवाब में मनमोहन सिंह ने कहा था- 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख मेरा इंतजार तो देख।' बहरहाल, अंत में यही कहूंगा कि भले ही आज डॉ सिंह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे देश-दुनिया के प्रतिष्ठित नेताओं में से एक हैं। आर्थिक नीतियों के संबंध में उन्होंने देश ही नहीं अपितु विदेशों पर एक गहरी और अमिट छाप छोड़ी है। उनको शत-शत नमन, विनम्र श्रद्धांजलि।

-सुनील कुमार महला

कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार द्वारा वार्ड क्रमांक 159 के कैलेंडर 2025 का विमोचन किया गया

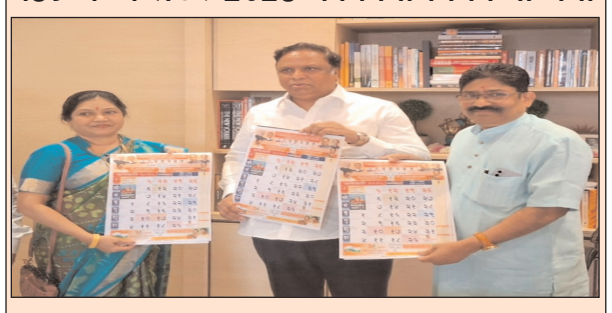

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी चांदीवली विधानसभा अध्यक्ष प्रकाश मोरे एवं महिला मोर्चा उत्तर मध्य मुंबई जिला उपाध्यक्ष उषाताई मोरे के माध्यम से कैलेंडर 2025 का विमोचन किया गया। भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री एडवोकेट. आशीष पूर्व नगरसेवक, विधानसभा अध्यक्ष प्रकाश देवजी मोरे और श्रीमती उषाताई प्रकाश मोरे ने इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने भाजपा चांदीवली विधानसभा, वार्ड नंबर 159 का वर्ष 2025 का कैलेंडर विमोचन किया। इस मौके पर प्रकाश मोरे और उषा मोरे ने आशीष शेलार को महाराष्ट्र कैबिनेट में कैबिनेट मंत्री बनने पर बधाई दी।. इस अवसर पर विधानसभा महासचिव अमेय डोड विधानसभा उपाध्यक्ष पांडुरंग म्हस्कर और गुजराती सेल के वार्ड अध्यक्ष राकेश उपाध्याय उपस्थित थे।

भाजपा जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

वसई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी संपर्क कार्यालय अग्रवाल सिटी विरार में उद्घाटन हुआ। इस समारोह में प्रदेश सचिव ओबीसी मोर्चा संजोग येंडे और वसई विरार जिला उपाध्यक्ष श्रीमती सविता ताई मौजूद रहीं।

इस शुभ अवसर पर नालासोपारा विधानसभा विधायक राजन नाइक, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, जिला कोषाध्यक्ष हरेन्द्र पाटिल दादा, विरार मंडल अध्यक्ष रवि पुरोहित सहित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर उद्घाटन समारोह सफल बनाया।

मुंबई की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी का आयोजन

मुंबई। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स ओमनी-चैनल रिटेल चेन विजय सेल्स आईआईसीएफ कंज्यूमर एक्सपो के साथ सहयोग से बीकेसी के एमएमआरडीए ग्राउंड में मुंबई की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी का आयोजन किया है। यह प्रदर्शनी 6 जनवरी 2025 तक जारी रहेगी। 60,000 वर्ग फीट में फैले हुए इस इलेक्ट्रॉनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल में गुणवत्ता की गारंटी देते हुए तकनीकी प्रशंसकों के साथ-साथ परिवारों को आकर्षित करने के लिए 100 सर्वश्रेष्ठ ब्रांड शामिल हुए हैं। प्रौद्योगिकी के प्रति उत्साही लोगों से लेकर अपने घरों के लिए अधिक उन्नत उपकरण खरीदने की चाहत रखने वालों के लिए यह एक्सपो उपयुक्त हैं। प्रदर्शनी में ऐप्पल, सैमसंग, एलजी, सोनी, वनप्लस, बोट, हायर, व्हर्लपूल, आसुस, हिताची, गोदरेज, आईएफबी, मॉफी रिचर्ड्स, फिलिप्स, वंडरशेफ, एओ स्मिथ जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ कई प्रमुख ब्रांडों की ओर से नए उत्पाद लॉन्च, प्रदर्शन और शानदार डील की पेशकश की जाएगी। हाल ही में लॉन्च हुए स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट किचन अप्लायंसेज और प्रीमियम होम अप्लायंसेज तक हर किसी को आकर्षित करने के लिए यहाँ कुछ न कुछ जरूर है। यहां प्रत्येक प्रमुख ब्रांड का अपना एक्सपीरियंस ज़ोन है। यह खरीदारों के लिए उत्पादों को व्यक्तिगत रूप से देखकर बेहतर डील पाने का एक शानदार अवसर है। विजय सेल्स के निदेशक श्री. नीलेश गुप्ता ने कहा, जैसे-जैसे साल खत्म होने को आ रहा है, हम विजय सेल्स में मुंबई की अब तक की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रदर्शनी पेश करने के लिए उत्साहित हैं। इंडिया इंटरनेशनल कंज्यूमर फेयर के साथ हमारी साझेदारी ग्राहकों को नवीनतम तकनीक का लाभ अप्रतिम कीमतों पर उठाने का एक असाधारण अवसर प्रदान करती है। आकर्षक छूट के साथ, स्वयं को और अपने प्रियजनों को खुश करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। हम आपको इस अनूठी प्रदर्शनी में शामिल होने और शीर्ष ब्रांडों के सर्वश्रेष्ठ उत्पादों के साथ इस त्यौहारी सीजन का भरपूर आनंद उठाने के लिए आमंत्रित करते हैं। विजय सेल्स के साथ खरीदारी करने का एक अन्य लाभ ट८श्र लॉयल्टी प्रोग्राम है, जो खरीदारों को उनके स्टोर और ई-कॉमर्स वेबसाइट पर खरीदारी करने पर 0.75% लॉयल्टी पॉइंट प्रदान करता है। प्रत्येक पॉइंट का मूल्य 1 रुपये है और इन पॉइंट्स का उपयोग स्टोर से खरीदारी करते समय किया जा सकता है।

टाटा एआईए ने लॉन्च किया मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स फंड

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स फंड पेश किया है। यह नया फंड ऑफर निफ्टी 500 मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स के अनुरूप स्टॉक के पोर्टफोलियो में निवेश कर दीर्घकालिक स्तर पर पूंजी वृद्धि दर्ज करने के लिए तैयार किया गया है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) विंडो 24 दिसंबर 2024 को खुलेगा और 31 दिसंबर 2024 को बंद होगा। गति और गुणवत्ता पर जोर देने वाले व्यवस्थित, फैक्टर-आधारित दृष्टिकोण के जरिये, यह फंड लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप खंड के शेयरों में निवेश करेगा। मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स फंड में उपभोक्ताओं को क्यों निवेश करना चाहिए: यह मार्केट कैप खंड में निवेश करता है, लार्ज-कैप की स्थिरता और मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक की उच्च विकास क्षमता से लाभान्वित होता है। पोर्टफोलियो की मौलिक मजबूती सुनिश्चित करते हुए रिटर्न को अनुकूलित करने के लिए गति-संचालित, गुणवत्ता वाले शेयरों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह इक्विटी और इक्विटी से जुड़े टूल में 80%-100% और नकद और मनी मार्केट टूल में 0%-20% निवेश करता है, जिससे वृद्धि और तरलता के बीच एक प्रभावी संतुलन सुनिश्चित होता है। यह फंड निफ्टी 500 मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स के अनुरूप है, जो अनुशासित, नियम-आधारित निवेश के सिद्धांतों का पालन करता है।

भारत में नासूर बनती जा रही है बाल श्रम की समस्या

मुंबई(उत्तरशक्ति)। दुनिया में रहने वाले हर इंसान के जीवन में बचपन सबसे खुशी का पल होता है। लेकिन बाल मजदूरी एक ऐसी चीज है जिसके कारण आज कई बच्चे सिर्फ मजदूरी में ही अपना जीवन गुजार देते हैं। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक सभी बाल मजदूरों में से 50% बच्चे हैं जो सप्ताह के साथ दो दिन काम करते हैं। कई बच्चे यौन शोषण के शिकार है। इसलिए आज हम सभी को इस विषय पर मंथन करने की जरूरत है।बाल श्रम का अर्थ सरल शब्दों में कहे तो बच्चों से किसी भी क्षेत्र में काम कराया जाना बाल श्रम कहलाता है। जब बच्चे बाल श्रम के संपर्क में आते हैं तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाता है। कई देशों की रिपोर्ट के अनुसार विकासशील देशों में बाल श्रम बहुत अधिक है। ऐसे देश में बच्चे थोड़े से पैसो के लिए भी पूरे दिन कड़ी मेहनत करते हैं। बच्चों का उनके माता-पिता द्वारा उचित पालन पोषण करना, उन्हें अच्छी शिक्षा देना और दोस्त के साथ खेलने का पूरा समय देना किसी भी बच्चे का परम अधिकार है। लेकिन माता-पिता गरीबी, भूख, दर्द और लाचारी के कारण कई बच्चों को आमतौर पर काम करना पड़ता है। हमारे देश में 14 साल से कम उम्र के बच्चों से काम करना गैर कानूनी है। अगर कोई उनसे काम कर लेता है तो उसके खिलाफ बाल श्रम अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। भारत में बाल श्रम की समस्या एकदम गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है।संविधान के अनुसार भारत सरकार ने भी बाल

श्रम को ध्यान में रखते हुए कुछ कानून बनाए हैं। जो बाल श्रम पर अंकुश लगाने की बात करते हैं।जैसे बाल श्रम अधिनियम 1986 के तहत सरकार द्वारा निश्चित है। 14 वर्षों से कम उम्र के बच्चों को काम पर लगाना दंडनीय अपराध है। किशोर न्याय(बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2000 के तहत बाल श्रम में शामिल बच्चों को न्याय दिया जाएगा। और बाल श्रम के लिए मजबूर या मजबूर करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्रम कानून उन बच्चों को देखभाल और सुरक्षा के बारे में भी कहता है। निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 यह अधिनियम 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा की घोषणा और सुनिश्चित करता है। भारत में बाल मजदूरी को खत्म करने के लिए सरकार को दो बड़े कदम उठाने होंगे। ताकि कोई भी भारत के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के बारे में सोच भी ना सके और सरकार के साथ साथ हमें अपनी सोच भी बदलनी होगी। भारत में बाल श्रम की इस समस्या को खत्म करने के लिए सरकार को भी समर्थन देना चाहिए। बाल श्रम के खिलाफ ग्राम पंचायत और नगर पालिकाओं को सशक्त बनाएं। क्योंकि भारत में लगभग 80% बाल श्रम ग्रामीण क्षेत्रों में होता है। और जो कोई भी बाल श्रम के खिलाफ बोलता है। उसे कलंकित किया जाता है। ताकि समाज में हर सड़क शहर से बाल श्रम पूरी तरह से खत्म हो जाए। बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएं और माता-पिता को अपने बच्चों के बेहतर और मजबूत भविष्य के लिए जागरूक करें। ग्रामीण और छोटे शहरों में आंगनबाड़ियों को सशक्त बनाना और महिला सहयोग को जिम्मेदारी सौंपना, आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी बच्चा बाल श्रम में शामिल न हो और यदि बच्चों को मजबूर किया जाता है, तो इसकी सूचना ग्राम पंचायत या नगर पालिका को दें। स्थानीय सरकार की समय समय पर स्थानीय कारखाने, इतभट्टो, निर्माण स्थलों और अन्य कार्य स्थलों का तत्काल दौरा करना चाहिए जहां बाल श्रम का पता लगाया जा सकता है। उक्त बातें दर्शना जयेश मुकणे, जव्हार पालघर, महाराष्ट्र द्वारा लिखी गई है।

समाजसेवी अरुण श्रीवास्तव आमरण अनशन पर बैठे

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व में 27 दिसंबर 2024 सुबह 11 बजे एसीपी तुलिंज कार्यालय के सामने समाजसेवी अरुण श्रीवास्तव आमरण अनशन पर बैठे हैं। अरुण श्रीवास्तव का कहना है। यह अनशन तब तक चलता रहेगा जब तक हमारी मागें पूरा नहीं होता है। उनका कहना है कि नालासोपारा में अधिक संख्या में बंग्लादेशी मुसलमानों का भरमार हो गया है। उन्होंने क्षेत्र अंकित कर के पुलिस विभाग को अवगत भी कराया है। लेकिन बंग्लादेशी मुसलमानों के उपर कारवाई नहीं है। जब तक कारवाई नहीं होगी। आमरण अनशन शुरू रहेगा। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि आप सभी लोग इस अनशन को सफल बनाने के लिए कुछ दिनों का समय दीजिए मैं गारंटी देता हु आने वाला समय में पूरे पालघर में एक बंग्लादेशी नहीं होगा और लापरवाही करने वाले एक पोलिस कर्मी और अधिकारी नहीं रहेंगे।

कमला देवी शिक्षण संस्था द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कमला देवी शिक्षण संस्था द्वारा संचालित कमलादेवी महाविद्यालय मे ' आविष्कार' नामक आंतर-महाविद्यालयीन विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।थिस प्रदर्शनी में कुल 85 प्रतिभागियों ने अपना सहभाग जताया।

आज का यह युग विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी पर आधारित युग है , इसलिए छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा चिकित्सक विचार प्रक्रिया निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है , यही सोच रखते हुए महाविद्यालय के विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह कमलादेवी शिक्षण संस्था के अध्यक्ष सदानंद तिवारी और संस्था की खजांची श्वेता पांडे मैडम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि तथा परीक्षक उर्मिला लिंगायत मैडम (चांदीबाई हिम्मथमल मनसुखानी महाविद्यालय उल्हासनगर) थी। जिसमें के.एम. अग्रवाल कॉलेज , टी.एस.पब्लिक स्कूल और जूनियर कॉलेज तथा अन्य महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं ने सहभाग लिया था। इस प्रदर्शनी में नील शिंदे , निशांत विशे , रोहन बागुल प्रथम स्थान पर रहे। साथ ही साथ प्रतिक्षा चव्हाण , प्रचीति त्रिभुवन यह छात्राएं दूसरे स्थान पर विजयी रहीं। अनन्या अय्यर और अदिति देशपांडे इन छात्राओं को अपना तिसरा विजयी स्थान प्राप्त करने में कामयाबी मिली।

बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए तीन विजेताओं के साथ साथ उत्तेजनार्थ उपहार भी रखे गये , जिसमें विदिशा अडसूले , प्रेम कोनार , रिंकी शुक्ला यह छात्र विजेता रहें। कमलादेवी महाविद्यालय के कनिष्ठ विभाग की निरीक्षक सृष्टि भामरे जी ने सभी छात्र छात्राओं को सहभागी होने और अच्छे प्रयास करने के लिए बधाइयां दी , साथ ही साथ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सिम्मी सिंह ने सभी सहभागी छात्रों तथा विजेताओं को अपने आने वाले उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

विधायक राजन नाइक ने रेल ओवर ब्रिज के कार्य का किया निरीक्षण

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई तालुका के लोग कई सालों से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। नागरिकों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए नालासोपारा विधायक राजन नाइक ने हाल ही में नागपुर में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान विधान भवन में आवाज उठाई और राज्य सरकार से वसई विरार नगरपालिका क्षेत्र के लिए प्रस्तावित चार नए पुलों के निर्माण की मांग की। इसी क्रम में विरार में नारंगी फाटा पर पुल का निर्माण पिछले 6 साल से चल रहा है। लेकिन इस पुल का काम अब तक पूरा नहीं होने पर विधायकों ने रेलवे, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा की और वसई विरार नगर निगम से मुलाकात कर निर्माण में हो रही देरी के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर मौजूद स्थानीय भूमिपुत्रों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नगर निगम और सतधर्य ने भूमिपुत्रों की जमीन हड़प कर उनके साथ अन्याय करते हुए इस पुल का नक्शा बदलने की साजिश रची है। इस अवसर पर शिवसेना नेता सुदेश चौधरी, भाजपा नेता कैलास पाटिल, जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट, संजोग यांडे, युवा अध्यक्ष विनीत तिवारी, विरार पूर्व शहर अध्यक्ष नारायण मांजरेकर, विरार पश्चिम शहर अध्यक्ष रवि पुरोहित, नालासोपारा पश्चिम शहर अध्यक्ष जय प्रकाश वझे समेत कई लोग शामिल हुए। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अखिलेश चौबे उत्तर भारतीय समाज का ऊर्जावान चेहरा : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जन्मदिवस हर एक व्यक्ति के जीवन का विशेष दिन होता है। आखिर हो भी क्यों ना, क्योंकि इसी दिन करोड़ों योनियों के बाद आत्मा को मनुष्य रूप में धरती पर जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त होता है। अपने मानव जीवन को पाकर व्यक्ति पन्चतत्व, इष्ट देव, कुल देवता और अपने माता-पिता का आभारी होता है। महाराष्ट्र भाजपा के पूर्व सचिव तथा मुंबई उच्च न्यायालय के लोकप्रिय युवा अधिवक्ता एड. अखिलेश चौबे का आज जन्मदिन है। रात 12 बजे से ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा लोकप्रिय उत्तर भारतीय भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने रात 12 बजे ओबेरॉय गार्डन, गोरेगांव पूर्व स्थित उनके आवास पर पहुंचकर, केक काट कर, उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश चौबे उत्तर भारतीय समाज का ऊजार्वान और तेजस्वी चेहरा है। ईश्वर इन्हें हमेशा स्वस्थ और खुशहाल रखें। इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल लल्लन तिवारी, सह सचिव कृष्णा राहुल तिवारी, वेदिका अखिलेश चौबे, संदीप पांडे, पूजा पांडे, आलोक चौबे समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में कहानी लेखन पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छात्रों में लेखन कौशल शक्ति को विकसित करने तथा लिखने में रुचि पैदा करने हेतु एवी हाल में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज भिवंडी एवं मावा एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट अहमदाबाद (गुजरात) के सहयोग से कहानी लेखन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के पैंतीस छात्र-छातराएं शामिल हुईं। प्रथम दिन की कार्यशाला विद्यालय के एवीआई हाल में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित की गयी। उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए विषय के महत्व को व्यक्त किया। तत्पश्चात शायर एवं आलोचक प्रोफेसर अमीर हमजा साकिब ने 'कहानी और उसके घटक तत्व' विषय पर छात्रों को संबोधित किया और अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। ब्रेक के बाद दूसरे सत्र की शुरूआत कोकन मुस्लिम एजुकेशन सोसाइटी के सचिव दानियाल काजी ने की. उन्होंने इस कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि इस तरह की कार्यशाला से छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा। इस मौके पर कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे और चेयरमैन यासिर तातली,सादिक अंसारी ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वरिष्ठ कहानीकार एम. मुबीन ने पहले 'कहानी कौन लिख सकता है' और

फिर 'कहानी लिखने की तैयारी' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। दूसरे दिन के प्रथम सत्र का उद्घाटन शमीम इकबाल मोमिन ने किया।तत्पश्चात एम मुबीन सर ने आओ कहानी लिखे एवं कहानी लिखने का अभ्यास विषय पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। दूसरे दिन का दूसरा सत्र बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि प्रसिद्ध आलोचक और लेखक असलम परवेज (मुम्बई) ने 'कहानी लेखन के लिए सामग्री प्राप्त करना' विषय पर तथा नया वरक के संपादक शादाब रशीद (मुम्बई) ने 'कहानी के कथानक का विस्तार कैसे करें।

विषय पर अपने अनुभव एवं विचार छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किए कार्यशाला में बोलते हुए समर फाउंडेशन मालेगांव के अध्यक्ष अशफाक उमर ने कहा कि कोई भी घटना जो आप के साथ हो रही हो उसी में से शीर्षक निकालना कला है। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि 'कार्यशालाएं और सेमिनार केवल नाम के लिए नहीं। हमें उम्मीद है कि यह दो दिवसीय सेमिनार कहानी लेखन के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा। छात्रों को कहानी लिखने से पहले कहानी पढ़ने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। इस कार्यशाला के लिए प्रसिद्ध शोधकर्ता खलीख-उज-जमान नुसरत ने भी अपनी प्रसन्नता एवं शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। कार्यशाला में एम मुबीन के नेतृत्व एवं देखरेख में प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए एक कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हाशमी अबीहा और अंसारी तहसीन को प्रथम पुरस्कार मोमिन मुजना और खान फरहान अमजद को द्वितीय पुरस्कार,तथा शेख रेहब और अंसारी बुशरा अनवर को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कंप्यूटर शिक्षक रयान बोबरे जो प्रोग्राम की फोटोग्राफी भी कर रहे थे। वर्कशॉप के मार्गदर्शकों के विचारों से लाभ लेकर उन्होंने खुद एक कहानी लिखी और कार्यक्रम के अंत में दर्शकों के सामने प्रस्तुत की।जिसे विशेषज्ञों ने खूब सराहा। कार्यशाला के संयोजक शरीफ मुल्ला सर ने कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन किया।

आगामी महानगरपालिका चुनाव में उत्तर भारतीय समाज को प्रतिनिधित्व देने से पार्टी को मिलगी मजबूती: मंगेश यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला के अध्यक्ष मंगेश यादव ने अपनी दूरदर्शिता और मजबूत नेतृत्व का परिचय देते हुए उत्तर भारतीय समाज के अधिकारों और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सकारात्मक कदम उठाते हुये भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल को ज्ञापन देकर मांग की है। मंगेश यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी पी डी यादव, बृजेश पांडे, जियालाल गुप्ता, दिलीप गुप्ता, नंदन गुप्ता, रामनारायण सोनी, धीरेंद्र पाल , मुकेश चौबे, राकेश पाल ओंकार पांडे सहित कई पदाधिकारियों ने भाजपा भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल से मुलाकात कर आगामी

महानगर पालिका चुनाव में उत्तर भारतीय समाज के लिए कम से कम 10 सीटों पर टिकट देने की मांग करते हुए निवेदन पत्र दिया। ज्ञापन सौंपते हुए मंगेश यादव ने कहा हमारे समाज के मुद्दों और समस्याओ कों सही तरीके से उठाने और उसका समाधान निकालने के लिए आगामी भिवंडी महानगरपालिका के चुनाव में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है , उत्तर भारतीय समाज को प्रतिनिधित्व देने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। भाजपा भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष हर्षल पाटिल ज्ञापन स्वीकार करते हुए कहा भाजपा हमेशा हर वर्ग के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। उत्तर भारतीय समाज का योगदान भिवंडी में महत्वपूर्ण है। आपकी मांग पर गहराई से विचार किया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बिजली विभाग की तानाशाही, बिल मांगने पर काट दिया पूरे गांव का कनेक्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रामपुर उपकेंद्र के कर्मचारियों के मनमानी रवैये से क्षेत्रवासी त्रस्त है मामला रामपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथ पुर गांव का है जहां गुरुवार ग्रामीणों को बिजली का बिल व गावँ के बिजली उपभोक्ताओं की जानकारी मांगना महंगा पड़ गया। गांव में पहुंचे बिजली

विभाग के कर्मचारियों ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए एक नही दो चार नही ट्रांसफार्मर से पूरे गावँ का ही कनेक्शन काट दिया जिस कारण चौबीस घंटे से गांव में बिधुत सेवा बाधित है। किसान बिजली के अभाव में खेती का काम नही कर पा रहे हैं।सूचना पर शाम गांव में पहुंचे रामपुर ब्लाक प्रमुख राहुल सिंह ने जब यस डी ओ को कई बार फोन लगाया तब भी यस डी ओ ने फोन नही उठाया बाद में एक्सीयन के कॉन्फ्रेंस में यसडीओ ने सुबह कनेक्सन जोड़ने की बात कही, सुबह लाईन न जुड़ने से नाराज किसानों ने रामपुर विद्युत खंड कार्यालय पर एसडीओ का घेराव व प्रदर्शन कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार रघुनाथ पुर गांव में उपकेंद्र पर तैनात कर्मी रूटीन चेकिंग व बिजली बिल वसूली के लिये गए थे। गांव के एक ब्यक्ति ने अपना बिजली का बिल मांगा तो कर्मचारी बकाया बिल की जानकारी नहीं दे पाए, जिस कारण ग्रामीण व कर्मचारी से कहा सुनी होने लगी। शोर सुनकर अन्य ग्रामीण भी जमा हो गए तो बिजली कर्मियों ने उनसे भी वाद विवाद कर लिया। जब ग्रामीणों ने इनका विरोध किया तो तमतमाये बिजली कर्मियों ने जाते जाते ट्रांसफार्मर से बिना किसी अधिकारी को सूचना दिए समूचे गांव का ही कनेक्शन काट दिया। देर शाम जब बिजली नही आई तब ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई। शुक्रवार की सुबह ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि व भतीजे राहुल पांडेय के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीओ का घेराव कर ज्ञापन देकर प्रदर्शन किया। प्रधान प्रतिनिधि ने ग्रामीणों संघ दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कारवाई की मांग की है। इस सम्बंध में एसडीओ रामपुर मुरलीधर मौर्या ने बताया कि कि ग्रामीण आये थे, कनेक्शन जोड़वा दिया गया है। मामला मेरी जानकारी में नही था।

25 हजार का ईनामिया अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना क्षेत्र में भ्रमणशील होकर चौकी क्षेत्र सतहरिया से हाइवे पर होते हुए सुजानगंज ओवरब्रिज के नीचे पहुँचे कि वहां पर उ0नि0 अरविन्द यादव व उ0नि0 विनोद सिंह मय हमराह एव गस्त मे मामूर कर्मचारी के साथ अपराधियों की गिरफ्तारी के विषय मे बातचीत करने लगे कि स्वाट टीम द्वितीय के प्रभारी निरीक्षक रामजनम यादव द्वारा सूचना दी गयी कि कुछ पेशेवर बदमाश एक संगठित गिरोह एक पिकअप गाड़ी लेकर क्षेत्र मे पशु चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए घूमता देखा गया है। इस बात पर प्रभारी निरीक्षक द्वारा थाना क्षेत्र में रात्रि ड्यूटी मे लगे अधिकारी व कर्मचारीगणों को सूचना की जानकारी देते हुए सतर्क रहकर ड्यूटी करने की हिदायत की गयी कि कुछ समय पश्चात जनपद स्वाट टीम द्वितीय के प्रभारी निरीक्षक रामजनम यादव द्वारा बताया गया कि एक पिकअप गाड़ी मे 3-4 बदमाश सुजानगंज की तरफ से मुंगराबादशाहपुर की तरफ आ रहे है।जिनका पीछा स्वाट टीम के द्वारा किया जा रहा है। थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम के अधिकारी/कर्मचारीगण सुजानगंज रोड की तरफ बढ़ते चले तो कुछ दूर आगे जाने पर गाड़ी की लाइट दिखाई दी जो बहुत तेजी से आ रही थी जिसके पीछे स्वाट टीम की गाड़ी लगी थी।एक बारगी हम सभी पुलिस

एक पिकअप गाड़ी, तमंचा मय कारतूस 315 बोर, 7 देशी सुतली बम, कुल्हाड़ी व जंजीर बरामद

टीम उक्त गाड़ी की घेराबन्दी किये, जिसपर गाड़ी चालक द्वारा जान से मारने की नियत से अचानक कट मारते हुए बम फेक गया। जिससे पूरा धुँआ हो गया और साथ ही जान से मारने की नियत से हम पुलिस वालों पर निशाना साधते हुए फायर किया गया लेकिन पुलिस टीम बाल बाल बच गयी। रामपुर तिराहे से गाड़ी मोड़कर तेज रफ्तार से भागे कि कुछ ही दूर पर गाड़ी बन्द कर दाहिने से उतरकर एक व्यक्ति निशाना करके जान से मारने की नियत से पुनः हम पुलिस वालो की तरफ फायर कर दिया। आत्मरक्षा में प्रभारी निरीक्षक व स्वाट टीम प्रभारी निरीक्षक द्वारा अपने सरकारी पिस्टल से फायर किया गया। जिससे एक व्यक्ति के दोनों पैर मे गोली लग गई। इलाज हेतु तुरन्त पीएचसी मुंगराबादशाहपुर जौनपुर भेजा गया। एक बदमाश को मौके से पकड़ा गया, दो बदमाश भागने मे सफल रहे। जिनको अपराध का बोध कराते हुए समय करीब 5.05 बजे गिरफ्तार कर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओ में एफआईआर मु0अ0सं0 429/2024 धारा 109(1)/324(4)/125/3 (5) बीएनएस, 3/25 आर्म्स एक्ट, 4/5 बम विस्फोटक अधिनियम थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही हैं तथा मौके से भागे हुए अभियुक्तगणों की तलाश की जा रही है।

जन्म प्रमाण पत्र: तहसील ब्लाक के पेंच में फंसता प्रमाण पत्र

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जन्म प्रमाण पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र वर्तमान समय में एक नया तहसील और ब्लॉक का चक्कर लगाने का माध्यम बन गया है। जबकि प्रदेश में ग्राम स्तर पर भी ग्राम सचिवालय कार्यालय बने हुए हैं। आधार बनवाने, नाम संशोधन में जन्म प्रमाण पत्र की अनिवार्यता ने अभिभावकों को जैसे सांसत में डाल दिया हो। जन्म प्रमाण पत्र आवेदन के बाद कुछ तहसील व ब्लॉक का चक्कर काट रहे हैं। तो कुछ स्वास्थ्य विभाग कर्मियों के बीच भाग रहे हैं। आधार न बन पाने के कारण परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के यूनिफॉर्म का पैसा डीबीटी के माध्यम से खाते में नहीं जा रहा है। जैसे अनिवार्य जरूरत के लिए जन्म प्रमाण पत्र बाधा बनता नजर आ रहा है। ज्ञात हो कि फजीर्वाड़ा को देखते हुए, अब जन्म प्रमाण पत्र होना आवश्यक कर दिया गया है। यही बदलाव स्वास्थ्य विभाग व राजस्व कर्मियों के लिए कमाई का माध्यम भी बन गया है। छोटे बच्चों का और बड़े बच्चों का अलग-अलग नियम से रिपोर्ट लगाने का सिस्टम भी दिक्कतों का माध्यम बनता चला जा रहा है। अगर किसी की उम्र अधिक है और वह आधार में संशोधन करना चाह रहा है तो पैसे देने और खर्च करने के साथ ही तहसील व ब्लॉक का चक्कर भी काटना पड़ रहा है। शपथ पत्र उप जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करने के बाद कुछ दिवस बाद वह शपथ पत्र ब्लॉक कार्यालय जाता है। जिसके बाद सेक्रेटरी रिपोर्ट लगाकर फिर तहसील भेजते हैं। ऐसे में विलंब होना स्वाभाविक है। फिर प्रार्थी तहसील के कई कार्यालय का चक्कर लगाने के बाद भी अपने को असहाय एहसास करता है। जिसके कारण जन्म प्रमाण पत्र के शपथ पत्र कई महीनो से तहसील में जमा है परंतु उसका कोई रिपोर्ट वर्तमान समय में भी नहीं पहुंचा है, फिर भी सक्षम अधिकारी मौन है।

तहसील व ब्लॉक का काट रहे चक्कर, जेब हो रही खाली

एक लाख किसानों ने कराया फार्मर रजिस्ट्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसानों को किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं की पारदर्शी तरीके से त्वरित लाभ प्रदान कर उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए एग्री स्टैक योजना के तहत जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है। इसके लिए जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर 26 जनवरी तक जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जाएगी। जिले में कुल सात लाख किसान पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थी है। जिन्हें नियमित रूप से योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। जनवरी के अंत तक 19 वी किस्त जारी होने तक सभी लाभार्थियों को फार्मर रजिस्ट्री कराकर किसान गोल्डेन कार्ड बनवा लेना है।क्योंकि अगली किस्त के लिए किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) बनवाना अनिवार्य कर दिया गया है। 26 जनवरी तक किसान कार्ड न बनवाने वाले कृषकों की किस्त रुक सकती है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर,खेत का रखवा नंबर, खसरा नंबर,मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा। पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा, कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाएगा। किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) के लिए जिले के हर राजस्व गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसमें कृषि विभाग/ पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के दो- कर्मचारी रहेंगे।शिविर में गांव के संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटों में किसान का अंश, आधार नंबर ई-केवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व स्थानांतरण (विसारत,बैनामा आदि) होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा। इससे किसान के हर गाटे में हर सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा। किसान कार्ड से फायदे बताते हुए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि अभी तक किसान को किसी भी तरह का ऋण लेने के लिए बार-बार राजस्व रिकार्ड देना पड़ता है। किसान रजिस्ट्री होने पर उसके नंबर को संबंधित एप पर डालकर उसका पूरा विवरण देखा जा सकेगा। इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने और उसके क्रियान्वयन में आसानी होगी।लाभार्थियों को सत्यापन कृषि उत्पाद के विपणन और अन्य वित्तीय मामलों में सहूलियत होगी। साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान,फसली ऋण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा के दौरान किसानों को क्षति पूर्ति देने के लिए किसानों का चयन करने में आसानी होगी, साथ ही राजस्व विवादों का भी निस्तारण होगा। जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि किसान कार्ड (फार्मर रजिस्ट्री) कराने के लिए किसान ह्वकैम्पह्व के अलावा भारत सरकार द्वारा जारी किए गए मोबाइल एप ह्वफार्मर रजिस्ट्री यूपीह्व एप से स्वयं घर बैठे कर सकते है। अथवा अपने नजदीकी जन सेवा केन्द्र (सीएससी) से अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नम्बर एवं खतौनी ले जाकर निर्धारित शुल्क देकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री कराकर किसान कार्ड बनवा सकते है।

किसान कार्ड के जरिए पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का मिलेगा लाभ

भगत सिंह पर की गई अमर्यादित टिप्पणी पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा ने जताया रोष, सौंपा ज्ञापन

इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बलिदानी भगत सिंह पर कानपुर में वक्ताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय नौजवान सभा काफी मुखर है जिसके चलते शुक्रवार को भारी संख्या में इकट्ठा होकर कलेक्ट्रेट में जाकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि कानपुर मे आयोजित बाईस दिसंबर को लिट्रेचर फेस्टिवल में वक्ता अपर्णा वैदिक और उनका इंटरव्यू ले रहे ईशान शर्मा ने शहीद-ए-आजम भगतसिंह के बारे में घोर निन्दनीय वक्तव्य दिया। इसी मामले को लेकर आज राष्ट्रवादी नौजवान सभा ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। लिट्रेचर फेस्टिवल मे कार्यक्रम मे शहीद भगतसिंह को आरामतलब व बहरूपिया कहा गया, और तो और उन्होंने यह भी कहा कि होटलों के मैनेजर से सेटिंग करके मुफ्त खाना खाते थे, जेल में अनशन के दौरान उनका वजन बढ़ गया था क्योंकि वो छुप-छुप कर खाना खाते थे। इस शर्मनाक व निन्दनीय वक्तव्य से लोगो मे भारी आक्रोश व्याप्त है संस्था के प्रबंधक ने कहा कि बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि ऐसे वीर बलिदानी व चिंतनशील क्रांतिकारी जिन्हें शहीद-ए-आजमश का दर्जा दिया गया। उनके बारे में आज के इन तथाकथित इतिहासकारों के द्वारा अभद्र टिप्पणी की जा रही है।जो हर पहलू से अक्षम्य है। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर बलिदानियों के प्रति ऐसी घटिया टिप्पणी सर्वथा अनुचित है। गलत टिप्पणी करने वालो के खिलाफ राष्ट्रवादी नौजवान सभा न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाएगी। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के सदस्य एवं पदाधिकारियों ने लाइन बाजार थाने पर एक एफआईआर भी दर्ज कराई जिसमे भगत सिंह को लेकर अनर्गल टिप्पणी करने वालों पर कड़ी कार्यवाई की मांग की। इस मौके पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा के अध्यक्ष नवीन सिंह, प्रबंधक प्रमोद शुक्ला, राणा प्रताप सिंह समेत तमाम सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे।

लाइन बाजार थाने पर मुकदमा दर्ज करने हेतु दिया प्रार्थना पत्र

प्रदेशीय महिला खेल समारोह वॉलीबाल में लखनऊ, खो-खो में वाराणसी बनी चैम्पियन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित हो रही प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो-खो प्रतियोगिता के तीसरे एवं फाइनल दिन 27 दिसम्बर, 2024 खिलाड़ियों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह की निधन की खबर लगने के साथ ही राष्ट्रीय शोक की घोषणा के मध्य मैच सादगीपूर्ण ढंग से खेला गया। इस गमगीन माहौल में अधिकारी, खिलाड़ी, टीम मैनेजर एवं निर्णायक ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति अपनी शोक संवेदना को प्रकट किया। इस अवसर पर वॉलीबाल व खो-खो के विजेता, उप विजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को बिना किसी समारोह को पुरस्कृत किया गया। आज खेले गये मैच का विवरण इस प्रकार है।वॉलीबाल में सेमी फाइनल का पहला मैच गोरखपुर बनाम लखनऊ के मध्य खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम (2-1) 25-22, 25-18 एवं 25-16 अंक से विजेता हुई। सेमी फाइनल का दूसरा मैच कानपुर बनाम आजमगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें आजमगढ़ की टीम (2-0) 25-13, 25-02 अंक से विजेता रही। फाइनल मैच लखनऊ बनाम आजमगढ़ के मध्य हुआ जिसमें लखनऊ की टीम 3-2) 25-16, 12-25, 25-10, 26-24 व 15-07 अंक से विजेता रही। आजमगढ़ की टीम की अना रिजवी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा तथा लखनऊ की टीम खुशबू रावत ने अच्छा प्रदर्शन किया। गोरखपुर की टीम ने उक्त प्रतियोगिता में कानपुर मण्डल की टीम को (2-0) 25-14, 25-23 के अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।खो-खो में प्रथम सेमीफाइनल का पहला मैच वाराणसी एवं देवीपाटन के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 12 अंको से विजयी हुई। दूसरा सेमीफाइनल मैच लखनऊ एवं गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें गोरखपुर की टीम 12 अंक से विजयी हुई। तीसरे स्थान के लिए खेले गये मैच में देवीपाटन एवं लखनऊ.के मध्य खेला गया जिसमें देवीपाटन की टीम 16 अंकों से विजेता हुई। फाइनल मुकाबला वाराणसी एवं गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 08 अंक से विजेता होकर खिताब पर कब्जा किया। तीसरे स्थान पर देवीपाटन की मण्डल की टीम अपना स्थान पक्का किया।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से गमगीन माहौल में हुई प्रतियोगिता

वाराणसी नगर निगम की पहल, सरकारी गली को कराया अतिक्रमण मुक्त

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के आदमपुर थानान्तर्गत कोनिया निवासी ओमप्रकाश गुप्ता ने नगर निगम के सरकारी गली में रात के अंधेरे में अवैध सिढी का निर्माण करा लिया था। क्षेत्रीय लोगों ने जब विरोध किया तो मार पीट करने पर अमादा हो गया। मुहल्ले के लोगों ने जोनल अधिकारी आदमपुर से लिखित शिकायत किया था। जोनल अधिकारी मामले की गंभीरता लेते सामान्य विभाग के जूनियर इंजीनियर सिजपाल को आदेश देते हुए बोले अवैध सिढी को तत्काल प्रभाव तोड़ कर सरकारी गली से हटाये। जोनल अधिकारी के आदेश को क्रियान्वित करते हुए। आज नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा सरकारी गली से अवैध सिढी को तोड़ कर गली को अतिक्रमण मुक्त किया गया।

शाहगंज कोतवाली ने किया चार वारंटियों का चालान

शाहगंज(जौनपुर)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत अलग अलग स्थानों से न्यायालय में चल रहे मुकदमे में हाजिर न होने के चलते चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। क्षेत्र के बीबीगंज चौकी अंतर्गत अरगूपुर कला गांव निवासी नरेंद्र पुत्र ईशनरायन, सौरभ पुत्र राम आशीष व आजमगढ़ जनपद के फूलपुर थाना क्षेत्र के कटार गांव निवासी डिम्पल पुत्र मानबहादुर व अक्खीपुर गांव निवासी रामसबद यादव पुत्र रमापति कोतवाली निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह ने हमराहियों के साथ चारों व्यक्तियों को न्यायालय में चल रहे मुकदमे में हाजिर न होने के चलते न्यायालय के आदेश पर एन बी डब्ल्यू में घर से गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

छोटी उम्र में दोस्तों के संग शुरू कर दी चोरी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस ने पांच चोरी की मोटरसाइकिल के साथ नाबालिक चोर और उसके सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारुति नगर कालोनी में बबुरहनी के पास से मुखबिर की सूचना पर दोनो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी विवेक कुमार चौबे कर्महरी

मोहनिया भभुआ बिहार हाल पता सुसुवाही चितईपुर एक 16 वर्षीय बाल किशोर फुल्ली कोचस रोहतास बिहार, हाल पता वैष्णो नगर छित्तूपुर निवासी है।आरोपियों के खिलाफ रामनगर थाना में तीन मुकदमा और लंका में एक है। लंका थाना में एसीपी भेलूपुर धनंजय मिश्रा ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक लंका शिवाकांत मिश्रा, उपनिरीक्षक अपराजिता चौहान, नगवा चौकी प्रभारी अभय गुप्ता, उपनिरीक्षक शिवाकांत शर्मा, सिद्धार्थ कुमार राय पुलिस टीम के साथ दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किए है। दोनो बीएचयू ट्रामा सेंटर अस्पताल परिसर में रेकी करके मौका मिलते ही मास्टर चाबी से लाक खोलकर मोटरसाइकिलों को चुराते है। यहां ग्राहक खोजते है। यहां ग्राहक नहीं मिलने पर मोटरसाइकिल को बिहार में ले जाकर बेचते है। अपाचे 20 से 22 हजार में और स्प्लेंडर सहित अन्य बाइक 10 से 12 हजार रुपए में बेचते है।

जेसीआई शाहगंज सिटी का 45वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

प्रथम महिला अध्यक्ष दीपा सेठ सहित कार्यकारिणी ने ग्रहण किया पद

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रमुख सामाजिक संस्था जेसीआई शाहगंज सिटी का 45वां शपथ ग्रहण समारोह और पुरस्कार वितरण का आयोजन देर रात हुआ। समारोह में अध्यक्ष के तौर पर दीपा सेठ और उनकी कार्यकारिणी ने शपथ लिया। इस मौके पर 14 नए सदस्यों ने भी संस्था की सदस्यता ग्रहण की। नगर स्थित एक मैरेज लॉन में देर रात तक चले शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडलाध्यक्ष राधेरमण जायसवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में अमृता जायसवाल और आयुष्मान अग्रहरि ने जेसी आस्था और लक्ष्य का पाठ किया। आकृति और आर्या ने गणेश वंदना पर नृत्य किया। सचिव 2024 वीरेंद्र जायसवाल ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद अध्यक्ष 2024 राम अवतार अग्रहरि ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर बीते कार्यकाल में उम्दा प्रदर्शन करने वाले और विशेष योगदान देने वाले जेसी साथियों और पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। विश्वानी जायसवाल ने नई अध्यक्ष का परिचय प्रस्तुत किया। इसके बाद राम अवतार अग्रहरि ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपा सेठ और उनकी कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। उपाध्यक्ष के तौर पर विवेक सोनी, हिमांशु गुप्ता, कार्तिक अग्रहरि, आशीष सोनी, अमृता जायसवाल और वीरेंद्र जायसवाल ने शपथ ली।निदेशक पद पर रवि अग्रहरि, बालाजी राव, संदीप यादव, अश्विनी अग्रहरि, रोहित गुप्ता और सुमंग साहू ने शपथ लिया। आदित्य अग्रहरि ने सचिव, उज्ज्वल सेठ ने कोषाध्यक्ष, दीपक सिंह ने पीआरओ, रौनक मोदनवाल ने जेजे चेयरमैन, आयुष अग्रहरि ने जेजे सचिव और रुचि राव ने लेडी जेसी कॉर्डिनेटर पद की शपथ ली। नए सदस्य के रूप में उत्कर्ष मिश्रा, रमन मिश्रा, आदर्श बरनवाल, पूजा अग्रहरि, अमृत अग्रहरि, सुजल मोदनवाल, श्रद्धा सोनी, ज्ञानचंद, पवन गुप्ता, दिव्यांशु श्रीवास्तव, यशोवर्धन जायसवाल, प्रथम सिंह, दुर्गेश जायसवाल और अंजलि जायसवाल को अधिष्ठापन अधिकारी गौरव सेठ ने शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष अनिल पांडेय ने सभी को नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। धन्यवाद ज्ञापन आदित्य अग्रहरि ने किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद अग्रहरि, रूपेश जायसवाल, प्रेम नारायण जायसवाल, कैलाश नाथ जायसवाल, संदीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जनपद के राष्ट्रीय

राजमार्गों पर की गई सुरक्षात्मक कार्यवाही यथा जौनपुर-वाराणसी राजमार्ग, जौनपुर-सुल्तानपुर राजमार्ग, जौनपुर-रामपुर-भदोही मार्ग,जौनपुर-आजमगढ़ मार्ग पर क्षतिग्रस्त डिवाइडर की मरम्मत, डिवाइडर पेंटिंग, यातायात व्यवस्था, साइनेज बोर्ड, पोस्टर लगाए जाने आदि की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि महाकुंभ-2025 के दृष्टिगत जितने भी एनएच हैं उन पर साइनेज बोर्ड लगाए जाएं, रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जाए।क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कर ली जाए, शौचालय तथा सड़कों के किनारे साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। जनपद आजमगढ़ एवं केराकत मार्ग पर 07 जनवरी 2025 से पूर्व सांकेतिक बोर्ड तथा ब्रेकर लगा दिया जाय। क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत सहित सड़कों के किनारे पौधरोपण किया जाए। कोहरे के दृष्टिगत भी सड़कों पर सुरक्षात्मक कार्यवाही की जाए साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि विद्युत विभाग से समन्वय कर जहां भी लाइट की आवश्यकता है उसको पूर्ण किया जाए। अधिशासी अभियन्ता एनएच लोक निर्माण विभाग वाराणसी के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिये।उन्होंने यातायात निरीक्षक को निर्देशित किया कि वाहनों की फिटनेस जॉच समय समय पर की जाय तथा वाहन चालकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जाए और सड़क सुरक्षा तथा यातायात जागरुकता के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरुक किया जाए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0, मुख्य राजस्व अधिकारी,सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य सहित अन्य उपस्थित रहे।

बदलापुर पुलिस ने दस वारंटी को किया गिरफ्तार

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव से पुलिस ने मारपीट के विभिन्न मुकदमा से संबंधित दस वारंटी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष सिंगरामऊ यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि अलग-अलग गांव से पुलिस ने मारपीट के विभिन्न मुकदमा से संबंधित दस वारंटी अभियुक्त श्यामलाल यादव पुत्र मगरू यादव निवासी नकहरा खानदेव, शिवकुमार यादव पुत्र सुक्खू यादव निवासी नकहरा खानदेव, अछैवर पुत्र दिनेश गिरी निवासी साढापुर, सन्तोष गौतम पुत्र स्व० रामसुन्दर निवासी बछुआर, राजेश कुमार पुत्र सेवालाल निवासी सेतापुर, सत्यनारायण पुत्र भगन निवासी करनपुर, कल्लू पुत्र मगन निवासी ग्राम करनपुर, जयप्रकाश पुत्र रामआसरे निवासी सिगरामऊ, डीहक पुत्र स्व. सतन निवासी बछुआर, ओमप्रकाश पुत्र सुरेन्द्र दूबे निवासी बहरा थाना सिंगरामऊ को उनके घरों से गिरफ्तार किया है।

सात वारंटी अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग गांव से शुक्रवार को पुलिस ने मारपीट सहित विभिन्न मुकदमों से संबंधित सात वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक बदलापुर गजानंद चौबे ने बताया कि मारपीट सहित विभिन्न मुकदमों से संबंधित सात वारंटी अभियुक्त धीरेन्द्र पुत्र कल्पनाथ निवासी खमपुर, जितेन्द्र सिह पुत्र कल्पनाथ सिंह निवासी खमपुर, किरन सिंह पत्नी जितेन्द्र सिंह, निवासी खमपुर, इस्तियाक पुत्र मुंशी रजा निवासी पुरानी बाजार,सेवक पुत्र कल्लू निवासी सरोखनपुर, बृजेश पुत्र शिवमूरत निवासी ग्राम मसनपुर, मीरा पत्नी चाडक निवासी चवरी को उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

उदय सामंत को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। गुरुवार के दिन रत्नागिरी विधानसभा आमदार आणि महाराष्ट्र राज्य कैबिनेट मंत्री उद्योग आणि मराठी भाषा उदय सामंत को जन्मदिन पर होटल हिल्टन, सहारगाव, अंधेरी (पूर्व) मुंबई मे शॉल और पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं दी गई। इस मौका पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखविंदर सिंह, देवदास मुरंजन,समाचार 9 ब्यूरो प्रमुख हरिकेश जैसवाल, विजय प्रजापति (गप्पू) पूर्व जिल्हा पंचायत पत्याशी सहित अन्य लोग मौजुद रहे।

एसटीएफ ने 50 हजार इनाम घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया

अमेठी (उत्तरशक्ति)। यूपी के अमेठी में गौरीगंज थाना क्षेत्र के शहबाजपुर से शुक्रवार को एसटीएफ लखनऊ ने आर्म्स एक्ट में वांछित व 50 हजार रुपये इनाम घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को लखनऊ ले गई है। गौरीगंज थाना क्षेत्र के सेनीपुर गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार मिश्र उर्फ बब्बन मिश्र लखनऊ के पारा थाने में 20 जुलाई को एसटीएफ की ओर से दर्ज करवाए गए आर्म्स एक्ट केस में वांछित चल रहा था। धर्मेंद्र पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम भी घोषित कर रखा था। धर्मेंद्र पर अवैध पिस्टल का कारोबार करने का आरोप है। शुक्रवार सुबह गौरीगंज थाना क्षेत्र में एसटीएफ के उपनिरीक्षक जावेद आलम व चंद्रप्रकाश मिश्र ने टीम संग डेरा डाला था। स्थानीय पुलिस की मदद से शहबाजपुर के पास से धर्मेंद्र कुमार मिश्र उर्फ बब्बन मिश्र को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद गौरीगंज थाने पहुंच एसटीएफ ने लिखा पढ़ी की और उसके बाद उसे लेकर लखनऊ रवाना हो गई। एसएचओ श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि एसटीएफ टीम धर्मेंद्र कुमार मिश्र उर्फ बब्बन मिश्र को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई है। मामले में कार्रवाई एसटीएफ व लखनऊ के पारा थाना स्तर से होगी।

गोशाला की जमीन में मिला ब्रिटिश कालीन खजाना

आगरा(उत्तरशक्ति)। आगरा के पिनाहट के बसई अरेला में पुराने गांव में प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास खाली पड़ी जमीन पर गोशाला निर्माण के लिए ट्रैक्टर से मिट्टी के समतलीकरण में सोने और चांदी के सिक्के मिले। मटके में सिक्के भरे थे, जो ट्रैक्टर चलने के कारण फूट गया। कुछ सिक्कों को ग्रामीण अपने साथ ले गए। यह सिक्के ब्रिटिश हुकूमत के दौरान वर्ष 1940 और 1942 के हैं। प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास गोशाला की जमीन को समतल करने के दौरान सोने-चांदी के सिक्कों से भरा मटका पाया गया। ट्रैक्टर चालक और ठेकेदार सेवाराम के साथ मंदिर के सेवक गरीबदास ने इन सिक्कों को बटोर लिया। मटके में सिक्के मिलने की बात जब गांव में पहुंची तो अन्य ग्रामीण भी पहुंचे और सोने-चांदी के सिक्के लेने की होड़ लग गई। जिसे जितने सिक्के मिले, उठा लिए। प्रशासन को कुछ लोगों ने शिकायत की तो मंदिर के सेवक गरीबदास से चांदी के तीन सिक्के बरामद किए गए। इन पर किंग जॉर्ज की छवि अंकित है। ग्रामीणों के मुताबिक साधु, ट्रैक्टर चालक और ठेकेदार सेवाराम के पास कई सिक्के हैं। खजाना मिलने की सूचना पर जांच को पहुंची एएसआई टीम। बसई अरेला के पुराने गांव जंगल की तरफ प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास खाली पड़ी जमीन पर गोशाला निर्माण के लिए जमीन का ट्रैक्टर द्वारा समतलीकरण करने के दौरान एक खंडहर पड़े मकान की जमीन में अचानक ट्रैक्टर टकरा गया, जिसमे सोने चांदी के सिक्कों से भरा मटका फूट गया था। सिक्कों को ग्रामीण उठा ले गये। जिसकी ग्राम प्रधान द्वारा बृहस्पतिवार को थाना प्रभारी तिवारी को जानकारी दी गई है। आज शुक्रवार की दोपहर पुरातत्व विभाग एएसआई की टीम मौके पर पहुंची और जगह का निरीक्षण किया फिलहाल 13 चांदी के सिक्के ग्रामीणों से बरामद किए गए हैं। मामले की जांच की जा जा रही है।

मेरठ मेडिकल कालेज में धरने पर बैठे संविदाकर्मी

मेरठ (उत्तरशक्ति)। एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज के करीब 850 संविदाकर्मियों को पिछले दो माह का वेतन नहीं मिला है। इससे नाराज कर्मियों ने बृहस्पतिवार को हड़ताल कर दी। प्राचार्य कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन और हंगामा किया। व्यवस्था बनाने के लिए स्थायी स्टाफ और मेडिकल स्टूडेंट्स की ड्यूटी लगाई गई है। कार्य नहीं कर रहे संविदाकर्मियों में नर्स, वार्ड बॉय और टेक्नीशियन आदि हैं। सफाईकर्मी काम कर रहे हैं। संविदाकर्मियों का कहना है कि दो महीने से हमें सैलरी नहीं मिली। अपना घर कैसे चला रहे हैं, हम ही जानते हैं। हमारा शोषण किया जा रहा है। ऐसे हालात में हम काम नहीं कर सकते। सरधना विधायक अतुल प्रधान मौके पर पहुंचे। वह उनका साथ देने के लिए कुछ देर धरने पर भी बैठे। अतुल ने प्रिंसिपल डॉ. आरसी गुप्ता से बात की। साथ ही संविदा कर्मियों को भरोसा दिलाया कि वह इस मामले में शासन में बात करेंगे। प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता ने कहा कि अक्तूबर तक का वेतन आ चुका है। नवंबर-दिसंबर का बचा है। कंपनी से बात चल रही है। जल्द बकाया वेतन आने की उम्मीद है। संविदा कर्मियों के समर्थन में मेडिकल पहुंचे सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि जो कंपनी वेतन नहीं दे सकती, ऐसी कंपनी का टेंडर निरस्त कर देना चाहिए। संविदा कर्मी नर्स, वार्ड बॉय, टेक्नीशियन के हड़ताल पर चले जाने से मरीजों को परेशानी हो रही है, क्योंकि वार्डों में मरीजों की देखभाल यही लोग करते हैं। हालांकि इनकी भरपाई के लिए स्थायी स्टाफ और मेडिकल स्टूडेंट्स को लगाया गया है, लेकिन उनकी संख्या इनके मुकाबले कम है। हड़ताल जारी रही तो आने वाले दिनों में और परेशानी हो सकती है। मेडिकल कॉलेज के संविदा कर्मी धरना प्रदर्शन के दौरान रील बनाकर उसे वायरल भी कर रहे हैं। एक कर्मचारी जो रील बना रहा है, उसने प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि यह वीडियो उन्हें भी टैग कर रहे हैं। देखते हैं वो उनके लिए क्या करते हैं। साथ ही वीडियो में अतुल प्रधान की तारीफ भी कर रहे हैं।

3के पावर के साथ शुरू करें अपना नया सालए 2025में मल्टी एसेट फंड बन सकते हैं वेल्थ क्रिएटर

मुंबई। जैसे-जैसे नया साल करीब आ रहा है, ऐसे मजबूत निर्णय लेने का भी समय नजदीक आ रहा है, जिससे वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य की नींव रखी जा सके। ऐसा ही एक ताकतवर संकल्प है . साल 2025 में मल्टी-एसेट फंड के जरिए 3 की ताकत का लाभ उठाकर अपनी दौलत में इजाफा करना। निवेश के अपनी डाइवर्सिफिकेशन रणनीति के साथ बड़ौदा बीएनपी परिबा मल्टी एसेट फंड इस बात का उदाहरण है कि कैसे अलग अलग एसेट क्लास के साथ एक अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियोए मजबूत रिस्कउ एडजस्टेड जोखिम.समायोजितद रिटर्न प्रदान कर सकता है। जिससे आप वित्तीय रूप से सफल होने के रास्ते पर किसी भी गतिरोध का अच्छी तरह से सामना कर सकते हैं। यह अनूठा मिश्रण आपके पोर्टफोलियो के लिए मल्टीविटामिन के रूप में काम करता है। जो लगातार पोर्टफोलियो की हेल्थ और प्रदर्शन के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। अपनी शुरूआत के बाद सेए इस फंड ने 19.98 फीसदी सालाना की दर से मजबूत रिटर्न दिया है जो इसके बेंचमार्क के रिटर्न 18.91 फीसदी सालाना की तुलना में बेहतर प्रदर्शन है। 30 नवंबर 20024 तक पोर्टफोलियो आवंटन की बात करें तो करीब 69 फीसदी निवेश इक्विटी मेंए 15 फीसदी निवेश सोने में और 16 फीसदी निवेश डेट और कैश में है। इस फंड का लक्ष्य हर एसेट क्लास में आने वाली तेजी का लाभ उठाना है जबकि बाजार में उतार.चढ़ाव के दौरान पोर्टफोलियो के नुकसान को कम करना है।

ग्लेनवॉक ने अपनी नई 200 मिली को निप्स महाराष्ट्र में किया लॉन्च

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हाल ही में बेहद सम्मानित 2024 आईडब्ल्यूएस अवार्ड्स में गोल्ड मेडल जीतने के बाद, कार्टेल ब्रदर्स की प्रीमियम स्कॉच व्हिस्की, द ग्लेनवॉक अब महाराष्ट्र में धूम मचा रही है। यह 200 मिली के बेहद स्टाइलिश निप बोतल में उपलब्ध है, जिसके साथ ग्लेनवॉक तहलका मचाने और आपके व्हिस्की अनुभव को पहले से कहीं बेहतर बनाने के लिए तैयार है। ग्राहकों को बेहद सुविधाजनक और किफायती तरीके से 'द ग्लेनवॉक' की बेमिसाल गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव कराने वाली 200 मिली निप बोतल, 500 रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है। वर्तमान में 'द ग्लेनवॉक' की कुल बिक्री में

महाराष्ट्र का योगदान 68% है, और यह ब्रांड के लिए बेहद महत्वपूर्ण बाजार है। 'द ग्लेनवॉक' ने 200 मिली निप बोतल को बाजार में उतारकर इस क्षेत्र में अपनी बिक्री को चौगुना करने का लक्ष्य रखा है। सुनियोजित तरीके से उठाए गए इस कदम से कंपनी के शानदार विकास को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही बड़े पैमाने पर ग्राहक भी ब्रांड की ओर आकर्षित होंगे जिससे बाजार में इसकी स्थिति और मजबूत होगी। इस मौके पर लिविंग लिक्विडज, मैन्शनज के संस्थापक और कार्टेल ब्रदर्स के सह-संस्थापक, मोक्ष सानी ने कहा, ‘महाराष्ट्र के अपने समझदार ग्राहकों के लिए हमें 200 मिली निप बोतल की पेशकश करते हुए बेहद खुशी हो रही है। कार्टेल ब्रदर्स की विशेषज्ञता का भरपूर लाभ उठाते हुए हमने इसे लॉन्च किया है, जिससे जाहिर होता है कि हम इनोवेशन के साथ-साथ अपने ग्राहकों को प्रीमियम स्पिरिट अनुभव प्रदान करने के संकल्प पर कायम है। हमें पूरा यकीन है कि हमारे मौजूदा ग्राहकों को यह नया फॉर्मेट काफी पसंद आएगा और नए ग्राहकों को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा। जाने-माने अभिनेता और 'द ग्लेनवॉक' के ब्रांड एंबेसडर, संजय दत्त कहते हैं ग्लेनवॉक 200 मिली निप सही मायने में एक गेम-चेंजर है। यह बेहद सुविधाजनक और किफायती पैकेज में 'द ग्लेनवॉक' के प्रीमियम स्वाद की पेशकश करता है। चाहे आप अकेले बैठकर शाम का आनंद ले रहे हों या फिर अपने दोस्तों के साथ खुशनुमा पल बिता रहे हों, ये निप ऐसे लम्हों का भरपूर आनंद लेने का सबसे अच्छा तरीका है।

भागवत कथा का श्रवण करने का मौका उसको ही मिलता है जिस पर श्री कृष्ण की कृपा होती है- शिवम शुक्ला

मुंबई। भांडुप में श्री राधे कृष्ण संस्थान द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन परम श्रेद्धय शिवम शुक्ला अपने मुखार बिंदु से कहा कि श्रीमद् भागवत हमें जीने की कला सिखाती है। भागवत कथा का श्रवण करने का मौका उसको ही मिलता है, जिस पर भगवान श्री कृष्ण की कृपा होती है। इसमें भगवान श्री कृष्ण की अनेक लीलाओं का वर्णन किया गया है जिसके सार को सुनकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा वाचक श्री शुक्ला ने कहा कि भागवत कथा का मूलमंत्र सदाचार है, जो इसे अपना लेता है, समाज उसे सम्मानित करता है। ऐसे व्यक्ति से भगवान भी प्रेम करते हैं। भागवत कथा में भक्ति ज्ञान, वैराग्य, ज्ञानयोग, कर्मयोग, समाज, धर्म, स्त्रीधर्म, सभी को दशार्या गया है। इस भागवत कथा को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुट हुए थे। जहां महिलाओं की भीड़ अत्यधिक देखी गई। भागवत कथा आयोजक श्री राधे कृष्ण संस्थान के संस्थापक सुरेंद्र तिवारी, अध्यक्ष-गुलाब दुबे, महासचिव विनोद दुबे कोषाध्यक्ष डी.एन.मिश्रा व पूरी टीम के साथ भक्तगण भावविभोर होकर कथा का रसपान किया। साथ ही भाजपा वार्ड नं.110 के अध्यक्ष व भावी नगरसेवक गणेश अमीन का सम्मान करके व्यास पीठ पर विराजमान श्री मद् भागवत गीता की आरती करने का अवसर प्रदान किया।

रेनबो नेशनल स्कूल बिलरियागंज का वार्षिकोत्सव व वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बिलरियागंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रेनबो नेशनल स्कूल बिलरियागंज का वार्षिकोत्सव व वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । समारोह के मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार धनवन्ता जॉइंट मजिस्ट्रेट ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया । चेयरमैन डॉ जे . पी . पाण्डेय ने मुख्य अतिथि , विशिष्ट अतिथि व आगंतुकों का स्वागत व अभिनंदन किया । प्रधानाचार्या प्रियंका त्रिपाठी के द्वारा विद्यालय के मूल उद्देश्यों और लक्ष्यों पर केन्द्रित वक्तव्य प्रस्तुत किया गया एवं विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों पर चर्चा की गई । मुख्य अतिथि , विशिष्ट अतिथि , प्रबंधक और प्रधानाचार्या के द्वारा अनेक

प्रतियोगिताओं एवं वर्ष भर आयोजित गतिविधियों में अव्वल रहे छात्र - छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन के माध्यम से शिक्षा प्रबंधन व विद्यालय की शिक्षा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए छात्रों को अपने कौशलों का विकास करके समाज व देश की प्रगति में योगदान हेतु प्रोत्साहित व प्रेरित किया । समारोह का मुख्य आकर्षण रेनबो नेशनल स्कूल के छात्र - छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगा - रंग कार्यक्रम रहे । समारोह की इन इन्द्रधनुषी प्रस्तुतियों में सर्वप्रथम गणेश वन्दना ₹ प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात कई प्रकार के नाटक , नृत्य , भाषण , योग , भारतीय - पाश्चात्य शैली के नृत्य छात्र - छात्राओं ने प्रस्तुत किये गए । विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका त्रिपाठी ने सभी उपस्थित गणमान्य एवं आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।इस दौरान निशा धवल,आजाद भगत सिंह अपर जिलाधिकारी , सत्येन्द्र राय , अखिलेश कुमार मिश्रा आदि लोग उपस्थित थे।

आजीवन करता रहूंगा समाज की सेवा : पंकज मिश्र

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ रानीगंज पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी का सपना आज की सरकार पूरा कर रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र गरीब पा रहा है। मोदी और योगी की सरकार ने देश व प्रदेश को एक नई दिशा प्रदान की है। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाये अब हर घर तक पहुंच रही है। यह बाते भाजपा जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने रानीगंज के बरहदा में भाजपा नेता पंकज मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में कही। उन्होंने पंकज मिश्रा के समाजसेवा की चर्चा करते हुए कहा कि इनकी सेवा गरीब जरूरतमंदों को लाभ पहुंचा रही है। अपनी समाजसेवा के जरिये समाज में प्रसिद्ध पंकज मिश्र का कार्य सराहनीय है। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता पंकज मिश्रा ने कहा कि पूज्य पिता स्वर्गीय शंकर प्रसाद मिश्र

एवं माता स्व. कमला मिश्रा की पुण्य स्मृति में प्रति वर्ष कंबल वितरण का आयोजन होता है। वर्ष 2004 से लगातार ठंड के महीने में गांवो में पात्रों का चयन करके कंबल वितरण का कार्य किया जाता है। समय समय पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को जाति-पाति की भावना से दूर हटकर एकजुट रहते हुए देश व प्रदेश के विकास में सहयोग करना चाहिए। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, हरिओम मिश्र, नगर अध्यक्ष मीरा गुप्ता, राजेश सिंह ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में करीब 4000 पात्रों में कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम में संवेदना फाउंडेशन के तत्वाधान में प्रतिवर्ष वितरित होने वाले नववर्ष के कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। इस दौरान प्रधान मुन्ना पाण्डेय, शिवसागर शुक्ला, मुजम्मिल हुसैन, चंदन शुक्ला, साधू दुबे, भाजपा नेता बद्री प्रसाद गुप्ता, सूरज त्रिपाठी, विक्रम सिंह, राजेश शुक्ला, सुनील मौर्या, रमेश पाल, राजेंद्र श्रीवास्तव सहित क्षेत्रीय व हजारों की संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

यूपी में बारिश के साथ गिर सकते हैं ओले

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारत में पारा लगातार गिर रहा है और ठंड का सितम बढ़ रहा है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा देखने को मिला। शुक्रवार को पश्चिमी यूपी के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि की मौसम विभाग ने संभावना व्यक्त की है। वहीं, पूर्वी यूपी में भी कहीं-कहीं हल्की बौछार पड़ सकती है। 27 और 28 दिसंबर को मौसम का ये बदला रूप यूपी के कई जिलों में देखने को मिलेगा। क्टऊ के पूर्वानुमान के अनुसार 27 दिसंबर को यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, गाजियाबाद, संभल, बरेली, बदायूं, मैनपुरी, कन्नौज, जालौन, कानपुर देहात, कानपुर नगर, झांसी, ललितपुर में बारिश हो सकती है।

सनातनियों की परंपराओं से जुड़ा महाकुंभ वैदिक उत्सव है : देवकीनंदन

नवी मुम्बई। प्रवचनकार देवकी नंदन महाराज ने कहा कि हमारे बयान पर कुछ पार्टियों के लोगों ने टिप्पणी की है। हमने कहा था कि कुंभ में उन्हीं लोगों को जाना चाहिए जो राम को मानते हों। हम उनसे कहना चाहते हैं कि कभी एक हिंदू के नाते सोंचकर देखें, क्या आप तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में हुई मिलावट से अंजान हैं? क्या आप इस बात से भी अंजान हैं कि कई लोग हमारी सब्जियों, फलों में थूका जा रहा है। देवकीनन्दन महाराज नवी मुम्बई के खारघर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान उक्त बात कही। उन्होंने कहा कि कुंभ कोई मेला नहीं है, यह सनातनियों की परंपराओं से जुड़ा हुआ एक वैदिक उत्सव है और इस कुंभ की धार्मिकता, पवित्रता और सुरक्षा

बनी रहे उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। ये हमारा कर्तव्य है कि हम इस वैदिक उत्सव की पवित्रता को संजो कर रखें। अगर शास्त्रों को मानते हो तो शास्त्रों की भी मानो। देवी-देवताओं को पूजने वाला देवी-देवताओं के लोक में जाता है और भूत-प्रेत को पूजने वाला भूत बनकर ही धरती में जन्म लेता है। इसलिए, हमें अपने पूजा-पाठ, आस्थाओं और कर्मों को शास्त्रों के अनुसार ही करनी चाहिए। यही कारण है कि शास्त्रों में जीवन के हर पहलू पर स्पष्ट मार्गदर्शन दिया गया है। हर माता-पिता को चाहिए अपने बच्चों को सनातन धर्म के बारे में बताइये। अगर हमारे बच्चे धर्म को नहीं जानेंगे तो कोई भी उनका धर्म परिवर्तन कर सकेगा। हमारे बच्चों को सनातन धर्म के सच्चे अर्थ, इसकी महिमा, और इसके सिद्धांतों से अवगत कराना आवश्यक है, ताकि वे अपनी पहचान, अपनी संस्कृति, और अपने धर्म के प्रति गर्व महसूस करें।

अकुम्स ग्रुप ने यूरोपीय बाजार में पैर जमाने के लिए 200 मिलियन की साझेदारी की

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट और मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी अकुम्स ग्रुप ने यूरोपीय बाजार में फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन की मैन्यूफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध दवा कंपनी के साथ एक रणनीतिक दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत अकुम्स ग्रुप ओरल लिक्विड फॉर्मूलेशन के कई रड्ढव का उत्पादन और आपूर्ति करेगा, फिर इन्हें साझेदार कंपनी अलग-अलग यूरोपीय देशों में बेचेगी। यह साझेदारी मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करते हुए यूरोप और अन्य रेगुलेटेड बाजारों में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए अकुम्स के स्ट्रेटजिक ग्रोथ ऐम (रणनीतिक विकास उद्देश्य) से मेल खाता है। यह समझौता वैश्विक बाजारों के लिए घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ावा देने में मदद करता है। इन उत्पादों की कमर्शियल सप्लाई 2027 में शुरू होने की उम्मीद है और 2032 तक आपूर्ति जारी रहेगी। इस पहल के तहत अकुम्स ग्रुप अपने ओरल लिक्विड मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए यूरोपीय एप्रूवल (मंजूरी) प्रक्रिया शुरू करेगा, और कॉन्ट्रैक्टेड उत्पादों का उत्पादन करने के लिए इस मंजूरी का लाभ उठाएगा। साइट और प्रोडक्ट डोजियर मंजूरी 2026 के अंत तक प्राप्त होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि अकुम्स पहले से ही इंजेक्टेबल्स और ओरल सॉलिड के लिए दो यूरोपीय-एप्रूव्ड फैसिलिटी संचालित करता है। इस साझेदारी पर बोलते हुए अकुम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव जैन ने कहा, सबसे बड़ी मल्टीनेशनल फार्मा कंपनी में से एक के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध ब्रांड के मैन्यूफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए रणनीतिक साझेदारी करना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। इससे हमारे लिए रेगुलेटेड बाजारों में अपने फुटप्रिंट्स का और विस्तार करने और घरेलू उउ्ड की सफलता को वैश्विक स्तर पर दोहराने के नए रास्ते खुलते हैं। अकुम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप जैन ने कहा, ये उत्पाद वर्तमान में यूरोप में बनाए जा रहे हैं। भारत में इन उत्पादों के निर्माण से अन्य वैश्विक फार्मा कंपनियों के साथ सहयोग के मौके मिलते हैं, ताकि वे अपनी मैन्यूफैक्चरिंग खर्चों को कम कर सकें और अपनी सप्लाई चेन को मजबूत बना सकें।

बेकाबू होकर पलटी निजी बस

गोंडा(उत्तरशक्ति)। यूपी के गोंडा में सवारियां लेकर गौराचौकी जा रही एक निजी बस के मनकापुर पीलखाना बाईपास के सपीप पटलने से शुक्रवार दोपहर चीख-पुकार मच गई। वहां पहुंचे ग्रामीणों ने बस का शीशा तोड़कर किसी तरह से यात्रियों को बाहर निकाला। इसमें करीब 22 यात्री सवार थे। वहीं हादसे में चोटिल दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी है। यात्रियों ने बताया कि शुक्रवार दोहर करीब एक बजे आरपी स्कूल-पीलखाना बाईपास मार्ग पर एक निजी कॉलेज के पास बेकाबू निजी बस अचानक पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी शिक्षक अब्दुल वहीद ने बताया कि घटना के वक्त बस में करीब 22 यात्री सवार थे। गोंडा से गौरा चौकी जा रहे थे। बस के बेकाबू होने के दौरान पीछे से आ रहे बाइक सवार सहम गए। वहीं, यात्री कुछ समझ पाते, इससे पहले बस पलटती चली गई। इस दौरान बस में चीख-पुकार मच गई। वहां पहुंचे राहगीरों व ग्रामीणों की मदद से यात्रियों को शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया। वहीं, चालक और परिचालक वहां से भाग गए। इस हादसे में दो यात्री चोटिल हुए हैं। उन्हें एबुलेंस की मदद से सीएचसी भिजवाया गया। जहां डॉ. आलोक चौधरी ने बताया कि मामूली रूप से चोटिल जमीरुल (60) निवासी मनकापुर व मूलचंद (70) निवासी वजीरगंज को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

श्रीस्वामिनारायण मंदिर भुलेश्वर का शोभायात्रा व बालसंस्कार मंडल के स्वर्ण जयंती महोत्सव सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्रीस्वामिनारायण मंदिर भुलेश्वर मुंबई में 50 साल पहले बच्चों के संस्कार संरक्षित रखने के लिए बालसंस्कार मंडल की स्थापना की गई थी। बाल-संस्कार मंडल को 50 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य स्वर्ण जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। स्वर्ण जयंती महोत्सव की शुभारंभ शोभायात्रा से किया गया। तुलसी पूजन दिवस यह शोभायात्रा का प्रमुख मुद्दा था। पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र शोभायात्रा बन गई। 1000 तुलसी के पौधे वितरित किए गए। माधवबाग और श्रीराम मंदिर के पास भी भव्य तुलसी पूजन किया गया। शोभायात्रा में लगभग 1500 से अधिक भक्त जुड़े थे। सभी के लिए रास्ते में पानी और जूस की व्यवस्था भी की गई थी। हर जगह पुष्पवृष्टि करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया। बालसंस्कार मंडल के 150 बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। बालिका मंडल की बहनों ने लेज़िम और बालसंस्कार मंडल के बच्चों ने बैंड-बाजा बजाया। इस अवसर पर गुरुवर्य स.गु.शा.श्री धर्म प्रसाद दास, महोत्सव के अध्यक्ष भक्ति प्रकाश दास, गोविंद प्रसाद दास, घनश्याम स्वामी, भक्ति प्रियस्वामी, श्रीजी स्वामी, हरिप्रिय स्वामी आदि संतों और पार्षदों की उपस्थिति थी। क्षेत्र के सभी सामाजिक व राजनैतिक महानुभावो ने बधाई दी। कई महानुभाव उपस्थित हुए थे। क्षेत्र के विशेष अतिथियों के अलावा विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बजरंग दल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारी को गोली मारने के विरोध में प्रदर्शन

आजमगढ़। स्थानीय थाना क्षेत्र में कप्तानगंज बाजार में बुधवार की रात एक मिठाई की दुकान पर रहने वाले एक युवक को मनबढ़ ने गोली मार दी। घटना में लड़के के दाहिने हाथ की कलाई जख्मी हो गई। इस घटना से क्षुब्ध बाजार के व्यापारियों ने सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को दुकानें बंद कर विरोध जताया। साथ ही चक्का जाम करने का भी प्रयास किया, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को काबू में कर लिया। पूरे दिन बाजार में पुलिस बल की तैनाती रही। कस्बा निवासी शुभम गुप्ता (18) की अहरौला रोड पर श्री स्वीट्स एंड केक पैलेस के नाम से दुकान है। बुधवार की शाम करीब 7:30 बजे दुकान बंद करने के दौरान एक युवक बर्फी लेने आया। दोबारा फिर युवक बर्फी लेने आया तो उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसी दौरान युवक ने रिवाल्वर निकाल कर फायर कर दिया।

37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट का चैंपियन बनी ईश्वर देव मिश्र एकादश

-सुरेश गांधी

वाराणसी। ईश्वर देव मिश्र एकादश ने शुक्रवार को आनन्द चंदोला खेल महोत्सव के तहत खेली जा रही 37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में विद्या भास्कर एकादश को 32 रनों से हरा कर खिताब जीता।

काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन के बैनर तले सांसद सांस्कृतिक जागरूकता महोत्सव के तहत डाक्टर सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सिगरा में खेली जा रही इस प्रतियोगिता में पहले खेलते हुए ईश्वर देव मिश्र एकादश ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 177 रन बनाए। सोनू ने 34 गेद पर छ चौके व एक छक्के की मदद से 52, अमित मिश्रा ने 17, अमित मिश्र द्वितीय ने

13, मैन आफ द मैच इरफान ने 30 गेंद पर सात चौके की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। विद्याभास्कर एकादश की तरफ से सुब्रतो मुखर्जी ने तीन, अभिषेक कुमार ने दो विकेट लिए।

जवाब में खेलने उतरी विद्या भास्कर एकादश की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 145 रन ही बना सकी। राहुल सिंह ने 30 गेंद पर 57 रन, अभिषेक कुमार ने 23 रन की पारी खेली। ईश्वरदेव मिश्र एकादश की तरफ से इरफान ने तीन, रवि सिंह, पुरूषोत्तम चतुर्वेदी, सोनू, अमित मिश्रा व शैलेश चौरसिया ने एक-एक विकेट लिया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री हिमांशु नाग पाल (सीडीओ) ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार इरफान खान को, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज दीनबंधु राय को, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विनय शंकर सिंह को मिला। मैंन आफ द मैच का पुरस्कार अमित मिश्रा, दीनबंधु राय, सोनू कुमार, संदीप शुक्ला, विनय शंकर सिंह, इरफान खान को मिला। सोनू कुमार को फइनल में हाफ सेंचुरी लगाने के लिए विशेष पुरस्कार भी दिया गया।

इससे पहले वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्र ने सीडीओ का स्वागत किया। मंत्री विनय शंकर सिंह और कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक कृष्ण बहादुर रावत ने किया। सह संयोजक रोहित चतुर्वेदी व पंकज त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस मौके पर काशी पत्रकार के अध्यक्ष डा. अत्रि भारद्वाज महामंत्री अखिलेश मिश्र, पूर्व अध्यक्ष विकास पाठक, केडीएन, योगेश कुमार गुप्त, सुभाष चन्द्र सिंह, बीबी यादव, जितेंद्र श्रीवास्तव ज्ञानसिंह रौतेला, उमेश गुप्ता सुनील शुक्ला अजय कृष्णा चतुर्वेदी संजय मिश्रा विमलेश चतुर्वेदी आदि सहित भारी संख्या में पत्रकार व खिलाड़ी मौजूद रहे।

रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला महिला चिकित्सालय में ठंड के दृष्टिगत अलाव, मरीजों के लिए हीटर, कंबल आदि की व्यवस्था की जाए तथा अस्पतालों में नियमित साफ-सफाई होनी चाहिए तथा नियमित अंतराल पर चादर बदले जाए तथा मरीजों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता के संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि बाहर की दवाएं न लिखी जाए। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि अस्पताल में अग्निशमन यंत्र एवं आरओ वाटर प्लांट क्रियाशील रहने चाहिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, सहित संबंधित अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।